हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

PRGI Reg. No. : CTHIN/25/A1911

● वर्ष-02 ● अंक- 48 ● भिलाई, सोमवार 07 सितम्बर 2026 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

मस्जिदों को अवैध बताकर ध्वस्तीकरण का अभियान तत्काल रोके सरकार

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने उत्तर प्रदेश में मस्जिदों समेत अन्य धार्मिक स्थलों को अवैध बताकर ध्वस्त किए जाने की कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए सरकार से इसे तत्काल रोकने की अपील की है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक और धर्मनिरपेक्ष सरकार की जिम्मेदारी सभी धर्मों के मानने वालों तथा उनके धार्मिक स्थलों का समान रूप से सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित करना है। मायावती ने बिना समुचित कानूनी प्रक्रिया के किसी आरोपी का मकान गिराए जाने को लेकर भी सरकार पर निशाना साधा और 'कानून द्वारा कानून का राज' सुनिश्चित करने की मांग की। मायावती ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सिलसिलेवार पोस्ट के जरिए कहा कि जिला सहारनपुर की मस्जिद समेत पूरे उत्तर प्रदेश में आए दिन मस्जिदों को काफी आपत्तिजनक तरीके से अवैध बताकर उन्हें ध्वस्त करने का जो सरकारी अभियान चल रहा है, वह उचित नहीं है।

गाजियाबाद की ट्रोनिका सिटी में बैग फैक्ट्री में भीषण आग

गाजियाबाद। गाजियाबाद के औद्योगिक क्षेत्र ट्रोनिका सिटी के सेक्टर यूए-3 में देर रात एक बैग निर्माता फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि दमकल विभाग की 12 गाड़ियों और वाटर टैंकरों को मौके पर तैनात करना पड़ा। फैक्ट्री के पूरी तरह ढके (कवर्ड) होने के कारण जवानों को पीछे की दीवार तोड़कर अंदर प्रवेश करना पड़ा। दमकल कर्मियों की त्वरित कार्रवाई से आग को आसपास की फैक्ट्रियों में फैलने से रोक लिया गया। हादसे में किसी के हताहत होने या घायल होने की सूचना नहीं है। रात 9:50 बजे मिली सूचना, शेड के नीचे सुलगती आग पर कूलिंग ऑपरेशन जारीमुख्य अग्निशमन अधिकारी राहुल पाल ने घटना के संबंध में आधिकारिक जानकारी साझा की- पीछे की दीवार तोड़कर बनाया रास्ता- सीएफओ राहुल पाल ने बताया कि रात लगभग 9:50 बजे नामक बैग बनाने वाली फैक्ट्री में आग लगने की सूचना प्राप्त हुई थी।

सहारनपुर में मस्जिद गिराने की कार्रवाई असंवैधानिक, कांग्रेस कानूनी लड़ाई लड़ेगी

सहारनपुर। सहारनपुर में जिला प्रशासन कार्यालय परिसर में बनी अवैध मस्जिद को गिराए जाने के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कार्रवाई को लेकर सरकार और प्रशासन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मस्जिद को गिराने की कार्रवाई सिर्फ धार्मिक स्थल से जुड़ा मामला नहीं है, बल्कि इसमें देश के कानून और संविधान का भी उल्लंघन हुआ है। सांसद इमरान मसूद ने कहा कि प्रशासन जिस जमीन को सरकारी कलेक्ट्रेट की जमीन बता रहा है, वह राजस्व रिकॉर्ड में आज भी वहीद खान और याकूब खान के नाम दर्ज है।

सत्य निकेतन इलाके में एक पांच मंजिला इमारत अचानक भरभराकर ढह गई

सत्य निकेतन हादसे में 2 की मौत,कई लोग अब भी दबे है....

नई दिल्ली/ एजेंसी

दिल्ली में लगातार हो रही बारिश के बीच रविवार को बड़ा हादसा सामने आया है। दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में एक पांच मंजिला इमारत अचानक भरभराकर ढह गई। हादसे के बाद कई लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं दो छात्र की मौत हो गई है। जानकारी के मुताबिक, हादसा मोती बाग के सत्य निकेतन इलाके में शिव मंदिर के पास हुआ। इमारत के अचानक गिरने की सूचना मिलते ही दिल्ली पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीमें मौके पर पहुंच गईं और राहत एवं बचाव अभियान शुरू कर दिया गया फिर फायर विभाग को हादसे की सूचना दोपहर 1 बजकर 33 मिनट पर मिली। इसके बाद दमकल की करीब 12 गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। बचाव दल लगातार मलबा हटाने में जुटा हुआ है। अब तक 2 से 3 लोगों को मलबे से बाहर निकाले जाने की जानकारी सामने आई है। घायलों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि मलबे के नीचे कुल कितने लोग फंसे हुए हैं। दिल्ली बिल्डिंग हादसे में एक और छात्र की मौत हो गई है। मृतकों की संख्या बढ़कर दो हो गई है। हादसे की जगह पर दिल्ली के एलजी तरनजीत सिंह संधू पहुंच चुके हैं। इससे पहले सीएम रेखा गुप्ता में घटनास्थल पर पहुंची थीं। दिल्ली पुलिस ने बताया, स्थानीय पूछताछ से पता चला कि यह 40-50 साल पुरानी इमारत थी जिसमें एक बेसमेंट और 5 ऊपरी मंज़िलें थीं और इसका इस्तेमाल पीजी के तौर पर किया जा रहा था। घटना के समय बेसमेंट में मरम्मत का काम चल रहा था। अब तक 6 लोगों को बचाकर अस्पताल पहुंचाया जा चुका है। खोज और बचाव अभियान जारी है। चश्मदीदों के मुताबिक, जिस इमारत में हादसा हुआ, उसमें करीब 40-45 छात्र मौजूद थे। उनका दावा है कि इनमें से करीब 30-35 छात्र अभी भी मलबे में फंसे हो सकते हैं। हालांकि, छात्रों के फंसे होने की यह संख्या फिलहाल आधिकारिक रूप से पुष्ट नहीं हुई है। प्रशासन और बचाव दल मलबा हटाकर वास्तविक स्थिति का पता लगाने में जुटे हैं। चश्मदीदों का कहना है कि रविवार को छुट्टी होने की वजह से इमारत में छात्रों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में अधिक हो सकती थी। इसी वजह से हादसे के बाद छात्रों के बड़ी संख्या में फंसे होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे के बाद दिल्ली पुलिस ने घटनास्थल की घेराबंदी कर दी है। लोगों को सुरक्षित दूरी पर रखा जा रहा है ताकि राहत और बचाव कार्य में किसी तरह की बाधा न आए।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने जताई गहरी चिंता

इस भीषण हादसे पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गहरा दुख व्यक्त करते हुए स्थिति को 'बेहद चिंताजनक' करार दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार पूरे घटनाक्रम पर पैनी नजर बनाए हुए है और सभी संबंधित एजेंसियां आपसी तालमेल के साथ काम कर रही हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि हर एक नागरिक की सुरक्षा और भलाई सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। दिल्ली अग्निशमन सेवा, दिल्ली पुलिस, एमसीडी की टीमें युद्धस्तर पर बचाव कार्यों को अंजाम दे रही हैं।

सरकार को नींद से जागना होगा: अरविंद केजरीवाल

सत्य निकेतन हादसे पर दिल्ली दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने सरकार पर हमला बोला है। केजरीवाल ने एक्स पर लिखा, सत्य निकेतन, दिल्ली में इमारत गिरने का हादसा अत्यंत दुखद और चिंताजनक है। मेरी भगवान से प्रार्थना है कि मलबे में फंसे लोगों का सकुशल और जल्द रेस्क्यू हो जाए। दिल्ली में सरकार की लापरवाही के कारण अब तक कई हादसे हो चुके हैं. सरकार को नींद से जागना होगा। बड़े स्तर पर एक्शन लेकर नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की जरूरत है।

नए मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति

महापात्रा छग हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस नियुक्त.......

बिलासपुर। केंद्र सरकार ने छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय में नए मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति का आधिकारिक आदेश जारी कर दिया है। 5 सितंबर को जारी इस अधिसूचना में ओडिशा उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति कृष्ण राम महापात्रा को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। वहीं छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय कुमार अग्रवाल को राजस्थान उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। बता दें कि न्यायमूर्ति केआर मोहपात्रा ने 7 फरवरी, 1988 को उड़ीसा राज्य बार काउंसिल में अधिवक्ता के रूप में पंजीकरण कराया था। उन्हें सिविल, सेवा, आपराधिक और संवैधानिक आदि सहित कानून की विभिन्न शाखाओं में 26 वर्षों का अनुभव है। उन्होंने राज्य के साथ-साथ उड़ीसा लोक सेवा आयोग के लिए अतिरिक्त स्थायी वकील के रूप में कार्य किया।

मुर्शिदाबाद के फरक्का में, भारी बारिश के कारण ज़मीन धंसने से प्रभावित रेलवे ट्रैक पर रेलवे कर्मचारी मरम्मत का काम कर रहे हैं, जिससे दक्षिण और उत्तर बंगाल के बीच ट्रेन सेवाएँ बाधित हो गई हैं।

दिनेश शर्मा की नई पारी शुरू

शर्मा अंडमान-निकोबार के बने नए उपराज्यपाल

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता दिनेश शर्मा को अंडमान एवं निकोबार का उपराज्यपाल नियुक्त किया गया है। अपनी नियुक्ति पर दिनेश शर्मा ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री सहित केंद्रीय नेतृत्व का आभार जताया है। वहीं, कई अन्य नेताओं ने दिनेश शर्मा को बधाई दी है। दिनेश शर्मा ने एक्स पोस्ट में कहा, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व का आभार। इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए मैं सभी सम्मानित वरिष्ठजनों, शुभचिंतकों, मित्रों एवं देशवासियों का हृदय से आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने अपनी शुभकामनाओं और आशीर्वाद से मुझे निरंतर प्रेरित किया। दिनेश शर्मा ने आगे लिखा, यह मेरे लिए केवल एक पद नहीं, बल्कि संविधान, राष्ट्र और जनसेवा के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी है। मैं पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ इस दायित्व का निर्वहन करने का संकल्प लेता हूं।

आईआईटी दिल्ली की बनाई मशीन को हरी झंडी

अब पुराने डीजल वाहन को स्क्रैप में देने की जरुरत नही

नई दिल्ली/ एजेंसी

राजधानी दिल्ली समेत अन्य शहरो में पुरानी डीजल गाड़ियों से होने वाला प्रदूषण चिंता का कारण बना हुआ है। हालांकि अब हो सकता है कि सरकार जल्द ही पुरानी डीजल गाड़ियों को भी चलाने की इजाजत दे दे। इसके पीछे वजह है आईआईटी दिल्ली द्वारा विकसित खास डिवाइस जो कि पुरानी डीजल गाड़ियों का प्रदूषण 90 फीसदी तक नियंत्रित कर सकती है। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने इस तकनीक को हरी झंडी दे दी है। आईआईटी दिल्ली द्वारा विकसित इस डिवाइस का नाम रेट्रोफिट एमिशन कंट्रोल डिवाइस है। यह डिवाइस धुएं के साथ निकलने वाले पार्टिकुलेट मैटर को 90 फीसदी तक नियंत्रित कर लेती है। इसके अलावा नाइट्रोजन ऑक्साइड की मात्रा भी 60 फीसदी तक कम कर देती है। इसकी जानकारी देते हुए नितिन गडकरी ने कहा कि अगर बीएस-3 या फिर बीएस-IV में इस डिवाइस को लगा दिया जाए तो यह बीएस-VI की तरह काम करने लगेगी। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के कार्यक्रम में गडकरी ने कहा कि यह टेस्ट पूरी तरह कामयाब हो गया है। अब पुरानी गाड़ियों को लेकर बड़ी राहत दी जा सकेगी और हर गाड़ी को कबाड़ में देने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने कहा कि कमर्शल गाड़ी बेचकर नई गाड़ी खरीदने से लोगों की जेब पर भारी बोझ पड़ता है। उन्होंने कहा कि यह डिवाइस ज्यादा महंगी नहीं होने वाली है।

भस्म आरती: भांग और आभूषणों से बाबा महाकाल का भव्य श्रृंगार, चंदन से किया गया लेप

उज्जैन । श्री महाकालेश्वर मंदिर में भाद्रपद कृष्ण पक्ष की नवमी तिथि,को बाबा महाकाल की भस्म आरती की गई। इस अलौकिक दृश्य के साक्षी बनने के लिए मंदिर परिसर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। तड़के भगवान वीरभद्र की आज्ञा लेने के बाद ढोल-नगाड़ों के साथ बाबा महाकाल के कपाट खोले गए। दिव्य शृंगार और भस्म आरती के बाद जैसे ही श्रद्धालुओं को बाबा के दर्शन हुए, पूरा मंदिर परिसर 'जय श्री महाकाल' के उद्घोष से गूंज उठा। मंदिर परिसर घंटियों, शंखध्वनि और मंत्रोच्चार से गुंजायमान हो उठा।

खड़गे का पीएम मोदी के एसआरसीसी स्पीच पर तंज

देश का युवा अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर खड़ा है-खड़गे

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी के दिल्ली स्थित श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में छात्रों से किए संवाद को एक राजनीतिक भाषण बताया। खड़गे ने एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि मोदी जी कल दिल्ली विश्वविद्यालय के एसआरसीसी में गए। यह देश के युवाओं, शिक्षा और उनके भविष्य पर संवाद का अवसर था। लेकिन अफसोस, युवाओं के सवालों का सामना करने के बजाय भाषण फिर एक राजनीतिक प्रचार में बदल गया। कभी नाराज फूफा तो कभी दिमागी और अर्बन नक्सल। जुमले बदलते रहते हैं, पर मोदी सरकार की जनविरोधी नीतियां नहीं बदलती। खड़गे ने आगे लिखा कि प्रधानमंत्री जी, आउटरीच तभी करनी पड़ती है, जब आप आउट ऑफ रीच हो जाते हैं। प्रधानमंत्री जी ने अपना रिपोर्ट कार्ड दिखाया। देश का युवा भी अपना रिपोर्ट कार्ड लेकर खड़ा है। पीएम मोदी शनिवार को श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स कॉलेज के 100वें स्थापना दिवस सामरोह में शामिल हुए। उन्होंने जेन-जी छात्रों के बीच 48 मिनट स्पीच दी। धुरंधर भले न हों, पर धूम मचाई: पीएम मोदी ने कहा कि आपकी लैंग्वेज में कहूं तो इस कॉलेज के पूर्व छात्र ओजी (ओरिजिनल गैंग्स्टर) हैं। वे धुरंधर भले न हों, पर दुनियाभर में धूम तो मचाई है। दिमागी नक्सल का जिक्र: मोदी ने यहां अपनी लाल किले पर दी गई 15 अगस्त की स्पीच का जिक्र भी किया।

---

9 कर्मचारी संगठनों ने मोदी सरकार के फैसले पर सवाल उठाए

इसरो के निजीकरण पर पूछा-क्या हम सिर्फ रिसर्च करेंगे....

नई दिल्ली/ एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो के निजीकरण पर बवाल मच गया है। भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र के निजीकरण से इसरो कर्मचारी चिंतित हैं। इसरो के प्राइवेटाइजेशन को लेकर 9 कर्मचारी संगठनों ने अंतरिक्ष आयोग अध्यक्ष को चिट्ठी लिखकर मोदी सरकार के फैसले पर सवाल उठाए हैं। अंतरिक्ष विभाग के तहत हजारों कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाले इन संघों ने अंतरिक्ष आयोग अध्यक्ष से इस मुद्दे पर लिखित स्पष्टीकरण मांगा है। इसरो की भविष्य की भूमिका, रॉकेट/उपग्रह निर्माण में उसकी भागीदारी पर स्पष्टीकरण मांगा है। बता दें कि अंतरिक्ष आयोग अध्यक्ष डॉ. वी. नारायणन ही इसरो अध्यक्ष भी हैं। भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिए खोलने के सरकार के फैसले के छह साल बाद पहली बार कर्मचारियों ने मोर्चा खोला है। इसरो केंद्रों के नौ कर्मचारी संघों ने इस बदलाव की दिशा और इसके आधार को लेकर औपचारिक रूप से चिंता जाहिर की है। 4 सितंबर को इसरो के अध्यक्ष और अंतरिक्ष विभाग के सचिव वी. नारायणन को लिखे पत्र में इन कर्मचारी संगठनों ने मोदी सरकार की निजीकरण नीति, इसरो की भविष्य की भूमिका और सेवारत कर्मचारियों और भविष्य की भर्ती पर इसके परिणामों के बारे में स्पष्टता मांगा है। पत्र पर इसरो के कई केंद्रों के कर्मचारी संगठनों ने हस्ताक्षर किए हैं। इसमें ISRO Staff Association, SHAR Employees Association, ISAC Employees Association, ISRO Staff Association-LPSC समेत कई केंद्रों के कर्मचारी संगठन शामिल हैं। कर्मचारी संगठनों ने कहा कि निजी क्षेत्र को अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ावा देने को लेकर सार्वजनिक मंचों पर कई बयान सामने आए हैं, लेकिन अंतरिक्ष विभाग की तरफ से कर्मचारियों को अब तक कोई स्पष्ट आधिकारिक नीति नहीं बताई गई है। कर्मचारी संघों ने इन-स्पेस के अध्यक्ष पवन गोयनका के हालिया सार्वजनिक बयान का भी जिक्र किया, जिसमें कथित तौर पर कहा गया था कि इसरो अंततः किसी भी लॉन्च वाहन का निर्माण नहीं करेगा। संघों ने सवाल पूछा है कि क्या गोयनका का बयान भारत सरकार, अंतरिक्ष आयोग या अंतरिक्ष विभाग का स्वीकृत निर्णय है? यदि हां, तो इस नीतिगत फैसले की तारीख और आधिकारिक जानकारी साझा की जानी चाहिए। यूनियनों ने पीएसएलवी एलवीएम-3 और एसएसएलवी जैसे वाहनों के डिजाइन, विकास, एकीकरण, परीक्षण और लॉन्चिंग में इसरो की भविष्य की भूमिका को लेकर भी स्पष्टता मांगी है। कर्मचारी संगठनों ने सरकार से पूछा है कि पवन कुमार गोयनका का बयान आधिकारिक सरकारी नीति को दर्शाता है या नहीं. उन्होंने यह भी सवाल किया कि भविष्य में पीएसएलवी एलवीएम-3 और एसएसएलवी और इनके नए संस्करणों के डिजाइन, विकास, निर्माण, एकीकरण, परीक्षण और प्रक्षेपण की जिम्मेदारी इसरो के पास रहेगी या नहीं।

प्राइवेटाइजेशन पर इसरो अध्यक्ष ने ये कहा.......

स्पेस सेक्टर इकोसिस्टम के प्राइवेटाइजेशन पर हो रही आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए,इसरो चीफडॉ. वी नारायणन ने कहा, प्लीज़ समझो, हमारे देश की स्पेस इकॉनमी को बढ़ना है और स्पेस इकोसिस्टम को भी बढ़ना है क्योंकि इसरो अकेले देश की ज़रूरतें पूरी नहीं कर सकता। अभी हमारे पास 56 सैटेलाइट है, लेकिन ज़रूरत सैकड़ों सैटेलाइट की है। इसलिए, सरकार ने स्पेस सेक्टर में सुधारों की घोषणा की है, और इसरो इन कामों को देख रहा है। हमें सच में यह पक्का करना होगा कि हमारे देश में स्पेस इकोसिस्टम बढ़े।

स्ट्रीट फूड विक्रेताओं के लिए खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण का आयोजन 150 से अधिक दुकानदारों ने ली स्वच्छता की शपथ

सरायपाली। आम जनता को शुद्ध और हाइजीनिक खान-पान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सरायपाली में फुटपाथ दुकानदारों के लिए एक विशेष निःशुल्क खाद्य सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सर्व सेफ फूडः सुरक्षित भोजन परोसना एवं बेचना विषय पर केंद्रित इस कार्यक्रम का आयोजन नेशनल एसोसिएशन ऑफ़ स्ट्रीट वेंडर्स ऑफ़ इंडिया (नासवी) और खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग, महासमुंद के संयुक्त तत्त्वावधान में किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को स्वच्छ भोजन परोसने की आदतों के प्रति जागरूक करना और समाज में सुरक्षित भोजन संस्कृति को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में महासमुंद जिले के 150 से अधिक महिला एवं पुरुष विक्रेताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी सहभागियों को एफएसएसएआई के फॉस्टेक मॉडल के तहत प्रशिक्षित किया गया। इस अवसर पर दुकानदारों को काम के दौरान उपयोग में आने वाली निःशुल्क सेफ्टी किट प्रदान की गई, जिसमें एप्रन, कैप, ग्लव्स, साबुन, तौलिया, डस्टर और हेडगियर शामिल हैं। इसके साथ ही उन्हें फॉस्टेक ट्रेनिंग सर्टिफिकेट, गोल्डन रूल्स बुकलेट तथा नेस्ले एवं नासवी का संयुक्त सहभागिता प्रमाण पत्र भी सौंपा गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी शंखनाद भोई ने प्रशिक्षण के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन न केवल आम नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा करते हैं, बल्कि विक्रेताओं की आजीविका को भी सुरक्षित और स्थायित्व प्रदान करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि सभी विक्रेताओं को प्रशिक्षण में बताए गए नियमों का कड़ाई से पालन करना अनिवार्य है। प्रशिक्षक विशाल आनंद और दिलीप प्रजापति ने व्यावहारिक उदाहरणों और लाइव डेमो के माध्यम से विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा के महत्वपूर्ण बिंदु समझाए। प्रशिक्षण के दौरान व्यक्तिगत स्वच्छता, दुकान व आसपास की सफाई, सही तापमान पर खाद्य पदार्थों का भंडारण, बर्तन एवं उपकरणों की स्वच्छता, सुरक्षित पेयजल का प्रयोग और कीट नियंत्रण जैसे सात प्रमुख पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही, विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006, नियमावली 2011 और एफएसएसआई की संबंधित धाराओं के कानूनी प्रावधानों से भी अवगत कराया गया। कार्यक्रम के समापन पर सभी उपस्थित विक्रेताओं को निष्ठापूर्वक शपथ दिलाई गई कि वे भविष्य में हमेशा एप्रन, ग्लव्स और हेड कैप पहनकर ही व्यवसाय करेंगे, किसी भी प्रकार के हानिकारक रसायनों का उपयोग नहीं करेंगे और ग्राहकों को पूरी तरह से स्वच्छ व स्वास्थ्यकर भोजन परोसेंगे। नेस्ले, नासवी और एफएसएसआई की इस संयुक्त पहल से न केवल स्ट्रीट वेंडर्स की आजीविका मजबूत होगी, बल्कि ग्राहकों के विश्वास में भी वृद्धि होगी।

नए आयुक्त लीना कोसम ने संभाला नगर निगम का कार्यभार, आयुक्त मोहेंद्र साहू ने सौंपा प्रभार

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग में वर्ष 2020 बैच की आईएएस अधिकारी लीना कोसम ने नगर निगम आयुक्त के पद पर पदभार ग्रहण कर कार्यभार संभाल लिया। दोपहर 1,30 बजे निवर्तमान आयुक्त मोहेंद्र साहू ने उन्हें विधिवत प्रभार सौंपा। इस अवसर पर निगम के विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।पदभार ग्रहण करने के बाद आयुक्त लीना कोसम ने नगर निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से बारी-बारी परिचय प्राप्त किया। उन्होंने अधिकारियों से उनके विभागों में संचालित कार्यों, योजनाओं एवं वर्तमान प्रगति की जानकारी ली तथा कार्यों को समयबद्ध एवं बेहतर तरीके से पूर्ण करने पर जोर दिया। मूलभूत सुविधाओं की बेहतर उपलब्धता पहली प्राथमिकता : आयुक्त लीना कोसम-आयुक्त लीना कोसम ने कहा कि शहरवासियों तक मूलभूत सुविधाएं बेहतर तरीके से पहुंचाना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि नगर निगम से जुड़े विभिन्न कार्यों को समझने के साथ ही शहर की आवश्यकताओं और नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। उन्होंने कर्मचारियों के वेतन भुगतान एवं ट्रांसफर, ग्रेच्युटी तथा पेंशन प्रकरणों की स्थिति की जानकारी ली। इसके साथ ही उन्होंने शहर में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों, स्वास्थ्य विभाग सहित निगम के अन्य महत्वपूर्ण कार्यों की भी जानकारी अधिकारियों से ली। आयुक्त ने अधिकारियों से विभागवार कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए लंबित कार्यों की स्थिति और उन्हें पूर्ण करने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के संबंध में भी चर्चा की।उन्होंने विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक में संक्षिप्त जानकारी ली एवं सोमवार को विभागीय समीक्षा बैठक लेने की बात कही। पदभार के बाद महापौर अलका बाघमार से की सौजन्य मुलाकात, नगर निगम आयुक्त का पदभार ग्रहण करने के बाद लीना कोसम ने महापौर अलका बाघमार से सौजन्य मुलाकात की। वह महापौर कक्ष पहुंचीं, जहां महापौर ने उनका स्वागत किया।

इस दौरान एमआईसी सदस्य, पार्षद एवं एल्डरमेन मौजूद रहे। नए आयुक्त के स्वागत के अवसर पर निवर्तमान आयुक्त मोहेंद्र साहू, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, मोहम्मद सलीम सिद्दीकी, सहायक अभियंता गिरीश दिवान, सहायक अभियंता हरिशंकर साहू, पंकज साहू, आर.के. बोरकर, दुर्गेश गुप्ता, संजय मिश्रा, अनिल सिंह सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

ग्राम किशनपुर के कंतरा नाला एवं ग्राम बाधामुड़ा में पुलिस की दबिश, दो मामलों में कुल 65 लीटर महुआ शराब जप्त

महासमुंद। पिथौरा पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुआ कि ग्राम किशनपुर कंतरा नाला के पास कुछ व्यक्ति मिलकर अवैध रूप से भारी मात्रा में हाथ भट्ठी का महुआ शराब बना रहे है। सूचना पर घेराबंदी कर रेड कार्यवाही किया गया, इस बीच पुलिस की भनक लगने पर तीन व्यक्ति मौके से भाग गये। घटना स्थल पर एक व्यक्ति पुलिस के हाथ आया, जिसका नाम सुखराम बरिहा पिता चमरूराम बरिहा उम्र 45 साल साकिन कुरकुटी थाना राजादेवरी जिला बालौदाबाजार (छ.ग.) का रहने वाला बताया। संदेही ने पुछताछ पर मेमारण्डम कथन में बताया की नारायण राणा उर्फ बाबू पिता दुहनू राणा, मिलन बारिक पिता स्व. परसुराम बारिक, गोविन्द गोड पिता शक्ति गोड सभी निवासी किशनपुर थाना पिथौरा के साथ मिलकर अवैध धन कमाने हेतु भारी मात्रा में हाथ भट्ठी निर्मित महुआ शराब बनाने में शामिल थे। मौके पर आरोपी सुखराम बरिहा के कब्जे से करीबन 50 लीटर हाथ भटठी से निर्मित महुआ शराब (किमती करीबन 10000 रू), दो नग शराब बनाने के बर्तन (कीमती करीबन 3000 रूपये) जुमला करीबन 13000 रूपये की संपत्ति को जप्त कर कब्जा पुलिस में लिया गया। आरोपियो का कृत्य अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का घटित करना पाये जाने से थाना पिथौरा में अपराध क्रमांक 220/2026 धारा 34(2) आबकारी एक्ट पंजीबद्ध कर अन्य संलिप्त आरोपियों की पतासाजी हेतु मामले में तफ्तीश की जा रही है। मामला अजमानतीय होने से आरोपी सुखराम बरिहा को रिमांड पर भेजा गया है। मुखबीर से सूचना मिला कि ग्राम बाधामुड़ा महुआ पेड़ के नीचे बांस की झोपड़ी में हाथ भट्ठी निर्मित महुआ शराब बिक्री कर रहा है कि सूचना तस्दीक पर मौके पर आरोपी बलराम सतनामी पिता चैतराम सतनामी उम्र 21 साल निवासी बांसकाटा थाना कोमाखान जिला महासमुन्द के कब्जे से 03 प्लास्टिक जरिकेन में कुल 15 लीटर कीमती 3000 रूपये बरामद संपत्ति को जप्त कर कब्जा पुलिस में लिया गया। आरोपी का कृत्य अपराध धारा 34(2) आबकारी एक्ट का घटित करना पाये जाने से थाना पिथौरा में अपराध क्रमांक 145 /2026 धारा 34(2) आबकारी एक्ट पंजीबद्ध कर मामला अजमानतीय होने से आरोपी बलराम सतनामी पिता चैतराम सतनामी को रिमांड पर भेजा गया है।

सार्थक स्कूल में विशेष बच्चों ने मनाई कृष्ण जन्माष्टमी

धमतरी। सार्थक स्कूल में विशेष बच्चों ने कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व पूरे उत्साह, उमंग और भक्ति भाव के साथ मनाया। कान्हा, राधा, ग्वाल-बाल और मां यशोदा के रूप में सजे बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से वातावरण को कृष्णमय कर दिया। कृष्ण गीत श्याम चूड़ी बेचने आया.. पर बच्चों की सुंदर नृत्य प्रस्तुति कार्यक्रम का विशेष आकर्षण रही। कार्यक्रम में प्राची सोनी ने कान्हा और भारती सोनी ने राधा का रूप धारण किया। वहीं मनीषा, बेबी, वत्सला, प्रीति, नेमेश, विनीत, एकलव्य एवं कुलदीप सहित अन्य विशेष बच्चे ग्वाल.बाल एवं मां यशोदा के रूप में आकर्षक वेशभूषा में नजर आए। जन्माष्टमी के इस विशेष आयोजन में सार्थक संस्था के प्रमुख सेवाभावी सदस्य जयंती लुंकड़ एवं उनकी धर्मपत्नी शांति लुंकड़, भाई नरेश लुंकड़ परिवार सहित शामिल हुए। जयंती लुंकड़ के पोते तथा विमल लुंकड़, हर्षिता लुंकड़ के पुत्र पृथ्वीराज लुंकड़ ने अपने प्रथम जन्मदिन के अवसर पर कान्हा का रूप धारण कर विशेष बच्चों के साथ दही हांडी फोड़ी। चॉकलेट से भरी दही हांडी फूटते ही बच्चों के चेहरों पर खुशी खिल उठी। लुंकड़ परिवार ने विशेष बच्चों के लिए स्वल्पाहार कराया तथा सार्थक स्कूल को सहयोग राशि भेंट की। पृथ्वीराज का पहला जन्मदिन विशेष बच्चों के साथ खुशियां बांटकर मनाने की यह पहल जन्मदिन को सेवा, स्नेह और सामाजिक सरोकार से जोड़ते हुए यादगार बना गई। जयंती लुंकड़ ने कहा कि सार्थक के विशेष बच्चों के साथ समय बिताना हमेशा खुशी और संतोष देता है। बच्चों की प्रतिभा और उत्साह देखकर मन प्रसन्न हो जाता है। उन्होंने बच्चों के लिए सार्थक द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। हर्षिता लुंकड़ ने कहा कि पृथ्वीराज का पहला जन्मदिन विशेष बच्चों के साथ मनाने की बहुत इच्छा थी। बच्चों के बीच आकर उनके साथ खुशियां बांटना पूरे परिवार के लिए बेहद सुखद और यादगार अनुभव रहा। बच्चों की मुस्कान ने इस दिन को और भी खास बना दिया। नरेश लुंकड़ ने कहा कि विशेष बच्चों के बीच आकर उनके साथ समय बिताना उनके लिए बेहद आत्मीय अनुभव रहा। बच्चों का अपनापन और मुस्कान देखकर वे भावुक हुए और कहा कि इन बच्चों के साथ खुशियां बांटना वास्तव में मन को छू लेने वाला अनुभव है। कार्यक्रम का आकर्षक एवं आत्मीय संचालन सार्थक स्कूल की सचिव स्नेहा राठौड़ ने किया। लुंकड़ परिवार ने बच्चों की प्रस्तुतियों की मुक्त कंठ से सराहना की तथा बच्चों की प्रतिभा को निखारने में सार्थक के प्रशिक्षकों के समर्पण, धैर्य और संवेदनशीलता की प्रशंसा की।.

सिंघनपुर की बेटी रूपाली कुलदीप का नीट में चयन क्षेत्र में खुशी की लहर

सरायपाली। ग्राम सिंघनपुर की रूपाली कुलदीप ने इस कहावत को सच साबित कर दिया कि संघर्ष, लगन और सही मार्गदर्शन हो तो कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं होता। उप स्वा. केन्द्र सिंघनपुर में पदस्थ नर्स खेलबाई कुलदीप व दानीलाल कुलदीप की सुपुत्री रूपाली कुलदीप ने नीट 2026 परीक्षा में 474 अंक हासिल कर शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय जगदलपुर में एमबीबीएस सीट प्राप्त की है इन्होंने जवाहर नवोदय विद्यालय से शिक्षा प्रारंभ कर मेडिकल कॉलेज तक का सफर तय किया है बचपन से ही मेधावी रहीं रूपाली का चयन वर्ष 2017 में जवाहर नवोदय विद्यालय में हुआ था। 12 वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने एस.2.एस. कोचिंग सेंटर भिलाई से नीट की तैयारी की और अपने अथक प्रयास से यह मुकाम हासिल किया। रूपाली ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने गुरुजन, अपने माता-पिता और अपनी नानी माँ मालती बाई चौहान को दिया जिनकी बचपन से सुनी संघर्ष और सफलता की कहानियों से उन्हें निरंतर प्रेरणा मिली। साथ ही मामा-मामी रश्मि-खेमराज सिन्हा, जानकी/द्वारिका प्रसाद चौहान, वृंदावती/वंशीधर मुखर्जी के अटूट सहयोग और आशीर्वाद को अपनी सफलता की नींव बताया। रूपाली की इस सफलता से परिवार एवं क्षेत्र में हर्ष का माहौल है।

श्याम बिहारी जायसवाल ने किया हज कमेटी की वेबसाइट का शुभारंभ

रायपुर। प्रदेश से जाने वाले हज यात्रियों को छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी द्वारा दी जा रही सुविधाओं में वृद्धि करते हुए आज प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री माननीय श्याम बिहारी जायसवाल जी द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी की वेबसाइट www.chhattisgarhhaj.org का शुभारंभ किया गया। इस वेबसाइट के माध्यम से हज यात्रियों को त्वरित सूचना की प्राप्ति, हज यात्रा से संबंधित समस्त जानकारी एवं हज यात्रा के दस्तावेज ऑनलाइन अपलोड करने की सुविधा प्राप्त होगी। इस सुविधा से हज यात्रियों को रायपुर मुख्यालय आने जाने में होने वाले आर्थिक व्यय एवं समय की बचत होगी। राज्य हज कमेटी की वेबसाइट के शुभारंभ के अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमैन श्री मिर्ज़ा एजाज़ बेग, (राज्य मंत्री दर्जा), हज कमेटी सदस्य मौलाना अमीर बेग, कार्यपालन अधिकारी/ सचिव डॉ खुशबू उस्मान, एवं समस्त कर्मचारीगण उपस्थित थे।

गंगरेल जलाशय में सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ दो सैनिक सुरक्षा सामग्री के साथ तैनात

धमतरी। गंगरेल जलाशय में वर्तमान जलभराव की स्थिति को देखते हुए नागरिकों की सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही है। जलाशय क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए दो सैनिकों को आवश्यक सुरक्षा सामग्री के साथ तैनात किया गया है। साथ ही जल संसाधन विभाग के अधिकारियों एवं मैदानी अमले द्वारा जलाशय और आसपास के क्षेत्रों में सतत निगरानी की जा रही है। प्रशासन द्वारा नागरिकों से अपील की गई है कि वे सुरक्षा की दृष्टि से गंगरेल बांध, जलाशय, नदी एवं जलप्रवाह वाले क्षेत्रों के अत्यधिक निकट न जाएं। विशेषकर बच्चों को नदी अथवा जलाशय के आसपास अकेले न जाने दें। नदी में नहानेए तैरने अथवा तेज बहाव वाले स्थानों पर उतरने से बचें। जलाशय एवं नदी में मछली पकड़ने के लिए भी न जाएं, क्योंकि जलस्तर और जलप्रवाह में अचानक परिवर्तन होने से दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। सेल्फी अथवा फोटो लेने के लिए पानी के किनारे या जोखिम वाले स्थानों तक जाना भी खतरनाक हो सकता है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने कहा कि नागरिकों की सुरक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जलाशय क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था के साथ सतत निगरानी की जा रही है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि किसी भी प्रकार का जोखिम न लें और बांध, नदी एवं जलप्रवाह वाले क्षेत्रों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों और युवाओं से नदी में नहाने, तैरने अथवा मछली पकड़ने के लिए नहीं जाने तथा अभिभावकों से बच्चों की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखने का आग्रह किया है। प्रशासन द्वारा जारी सुरक्षा निर्देशों का पालन कर स्वयं और अपने परिवार को सुरक्षित रखें।

पुलिस द्वारा आबकारी एक्ट में जप्त, राजसात 73 वाहनों की एमएसटीसी के माध्यम से ऑनलाइन ई-ऑक्शन

महासमुन्द। जिले के विभिन्न थानों में आबकारी एक्ट के तहत दर्ज प्रकरणों में जप्त कर राजसात किए गए वाहनों का एमएसटीसी के माध्यम से ऑनलाइन ई-ऑक्शन किया गया। इस प्रक्रिया के तहत कुल 73 वाहनों, जिसमें 65 दो पहिया व 08 चार पहिया वाहन शामिल हैं, को एमएसटीसी पोर्टल पर नीलामी के लिए अपलोड किया गया।

उक्त वाहनों के लिए कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग (भवन/वि./या) संभाग, नया रायपुर द्वारा ऑफसेट प्राइस 3,68,000 रुपये (तीन लाख अड़सठ हजार रुपये) निर्धारित किया गया था। एमएसटीसी ई-ऑक्शन क्रमांक 26-27/23520 के माध्यम से 11 अगस्त को वाहनों की ऑनलाइन नीलामी संपन्न हुई। नीलामी प्रक्रिया में फर्म मेटल स्क्रेप ट्रेड कॉर्पोरेशन रायपुर, ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने ऑनलाइन बोली के माध्यम से 5,00,000 रुपये (पांच लाख रुपये) की बोली लगाकर उक्त वाहनों को खरीदा। जिला महासमुन्द पुलिस द्वारा आबकारी एक्ट के प्रकरणों में राजसात किए गए इन 73 वाहनों की एमएसटीसी के माध्यम से ऑनलाइन नीलामी पहली बार कराई गई। ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से राजसात वाहनों के निस्तारण की कार्रवाई को अधिक व्यवस्थित एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न किया गया।

रायपुर के ज्वेलर्स को मिलेंगे जेजेएस-2026 में कारोबार बढ़ाने के नए मौके

ज्वेलर्स को कारोबार से संबंधित मौकों की जानकारी देने रायपुर सराफ़ा एसोसिएशन के सहयोग से रायपुर में हुआ रोड शो

रायपुरः ज्वेलरी कारोबार से जुड़े व्यापारियों के लिए नए खरीदारों से जुड़ना, नए प्रोडक्ट देखना और कारोबार बढ़ाने के मौके तलाशना जरूरी होता है। इसी को ध्यान में रखते हुए जयपुर ज्वेलरी शो ने अपने दिसम्बर 2026 में होने वाले ‘द दिसंबर शो’ के लिए रायपुर में प्रेजेंटेशन का आयोजन किया गया, जिसमें ज्वेलर्स को शो में मिलने वाले कारोबार से संबंधित मौकों की जानकारी दी गई। रायपुर सराफ़ा एसोसिएशन के सहयोग से शनिवार को आयोजित इस कार्यक्रम में शहर के ज्वेलरी और सराफ़ा कारोबारियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम में जेजेएस-2026 के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई और कारोबारियों को शो में शामिल होने के फ़ायदों से अवगत कराया गया। जेजेएस-2026 का आयोजन 22 से 25 दिसंबर तक जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी), जयपुर में होगा।

उक्त कार्यक्रम में रायपुर सराफ़ा एसोसिएशन के अध्यक्ष धरम चंद भंसाली, सचिव जितेंद्र गोलछा और कार्यक्रम संयोजक अशोक बरड़िया मौजूद रहे। वहीं, जयपुर ज्वेलरी शो की ओर से चेयरमैन राजीव जैन और मानद सचिव कमल कोठारी ने प्रतिनिधित्व किया।

इस दौरान, जेजेएस चेयरमैन राजीव जैन ने प्रेजेंटेशन के जरिए शो की शुरुआत से लेकर अब तक के सफ़र और जेम्स एंड ज्वेलरी कारोबार में इसकी भूमिका के बारे में जानकारी दी। उन्होंने जेजेएस-2026 में शामिल अलग-अलग सेक्शनों और कारोबारियों के लिए उपलब्ध अवसरों के बारे में भी बताया। उन्होंने कहा, ‘जयपुर ज्वेलरी शो ऐसा मंच है, जहाँ निर्माता, थोक और खुदरा कारोबारी, निर्यातक, डिजाइनर और जेम्स एंड ज्वेलरी कारोबार से जुड़े लोग एक ही जगह पर मिल सकते हैं। इससे कारोबारियों को नए लोगों से जुड़ने, नए प्रोडक्ट देखने, कारोबार पर बातचीत करने और नए व्यावसायिक संबंध बनाने का मौका मिलता है। उन्होंने रायपुर के ज्वेलर्स को जेजेएस-2026 में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। रोड शो के दौरान रायपुर के ज्वेलरी कारोबारियों ने जेजेएस प्रतिनिधियों से शो में भाग लेने, वहाँ मिलने वाले कारोबार के अवसरों और अन्य जानकारियों को लेकर बातचीत की। रायपुर सराफ़ा एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने भी रोड शो का स्वागत करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन रायपुर और जयपुर के ज्वेलरी कारोबारियों को एक-दूसरे से जोड़ने और आपसी व्यावसायिक संबंधों को मजबूत करने में मदद करते हैं।

कार्यक्रम के अंत में जेजेएस के मानद सचिव कमल कोठारी ने रायपुर सराफ़ा एसोसिएशन के पदाधिकारियों, सदस्यों, अतिथियों और शहर के ज्वेलरी कारोबारियों का कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आभार व्यक्त किया।

विज्ञान ज्योति के अंतर्गत नवोदय के विद्यार्थियों ने किया एनआईटी रायपुर का शैक्षणिक भ्रमण

सरायपाली। विद्यार्थियों में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के प्रति रुचि विकसित करने तथा उच्च शिक्षा और अनुसंधान के अवसरों से परिचित कराने के उद्देश्य से पीएमश्री जवाहर नवोदय विद्यालय, सरायपाली के 48 विद्यार्थियों ने पाँच अनुरक्षक शिक्षकों के साथ ज्ञान साझेदार भ्रमण के अंतर्गत राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), रायपुर का शैक्षणिक भ्रमण किया। यह भ्रमण प्राचार्य प्रभारी लोकनाथ कैवर्त के दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन में तथा विज्ञान ज्योति प्रभारी के. के. पटेल, पीजीटी रसायन के नेतृत्व में आयोजित किया गया। विद्यार्थियों ने एनआईटी के विभिन्न विभागों एवं प्रयोगशालाओं का अवलोकन किया। रसायनशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. तुंगविद्या महाराणा के सहयोग से पीएच.डी. शोधार्थियों ने विद्यार्थियों को वैज्ञानिक उपकरणों, प्रयोगशाला कार्यों एवं शोध गतिविधियों की जानकारी दी। सभागार में आयोजित सत्र में विद्यार्थियों ने एनआईटी के विभिन्न विभागों, उच्च शिक्षा एवं शोध के अवसरों की जानकारी प्राप्त की तथा विशेषज्ञों से संवाद किया। विद्यार्थियों को वैज्ञानिक सोच, अनुसंधान एवं नवाचार के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय परिवार ने डॉ. तुंगविद्या महाराणा एवं एनआईटी रायपुर की टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। यह भ्रमण विद्यार्थियों को विज्ञान के क्षेत्र में आगे बढ़ने तथा उच्च शिक्षा और अनुसंधान की संभावनाओं को समझने का महत्वपूर्ण अवसर रहा।

संक्षिप्त समाचार

शादी का झांसा देकर युवती का शारीरिक शोषण, धमकी देने वाला आरोपी 24 घंटे में गिरफ्तार

रायपुर। अभियान संवेदना के तहत खरसिया पुलिस ने दुष्कर्म के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे रिमांड पर भेज दिया गया। आरोपी पर 19 वर्षीय युवती को शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण करने और शादी से इनकार करने पर जान से मारने की धमकी देने का आरोप है। पुलिस के अनुसार, 2 सितंबर 2026 को पीड़िता ने चौकी खरसिया में लिखित आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई। युवती ने बताया कि स्कूटी रिपेयर कराने के दौरान बाम्हनपाली स्थित एक गैरेज में उसकी पहचान वहां काम करने वाले साहिल बंजारे, निवासी गोपी महका से हुई थी। दोनों ने एक-दूसरे का मोबाइल नंबर लिया और बातचीत होने लगी। पीड़िता के मुताबिक, 22 फरवरी 2026 की सुबह साहिल ने तबीयत खराब होने की बात कहकर उसे अपने घर ग्राम गोपी महका बुलाया। वहां आरोपी ने शादी करने का भरोसा दिलाकर युवती के साथ शारीरिक संबंध बनाए। इसके बाद आरोपी ने कई अन्य स्थानों पर भी उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। पीड़िता ने आरोप लगाया कि 18 अगस्त 2026 को आरोपी उसे खरसिया ले गया और वहां भी शारीरिक संबंध बनाए। जब युवती ने शादी की बात कही तो आरोपी ने कथित तौर पर उसे जान से मारने की धमकी दी और शादी करने से साफ इनकार कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए चौकी प्रभारी खरसिया निरीक्षक त्रिनाथ त्रिपाठी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया। आवश्यक मेडिकल एवं अन्य वैधानिक कार्रवाई पूरी करने के बाद आरोपी को 24 घंटे के भीतर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे रिमांड पर भेज दिया गया।

डिजिटल साक्ष्य से शराब तस्करी के तीन आरोपियों को एक साल की सजा

रायपुर। भाटापारा पुलिस की प्रभावी विवेचना और वैज्ञानिक साक्ष्य संकलन के चलते अवैध शराब परिवहन के मामले में तीन आरोपियों को न्यायालय ने दोषसिद्ध कर दिया। माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सिमगा ने आरोपी राजकुमार साहू, अक्षय कुमार निषाद और भुनेश्वर यादव को छत्तीसगढ़ आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत दोषी ठहराते हुए प्रत्येक को एक-एक वर्ष के साधारण कारावास और 25-25 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है। अर्थदंड नहीं चुकाने पर प्रत्येक को आठ माह का अतिरिक्त पृथक कारावास भुगतना होगा। पुलिस के अनुसार, यह प्रकरण नए आपराधिक कानूनों के तहत डिजिटल साक्ष्यों के प्रभावी उपयोग का महत्वपूर्ण उदाहरण है। स्वतंत्र गवाहों के पक्षद्रोही हो जाने के बावजूद न्यायालय ने पुलिस द्वारा प्रस्तुत डिजिटल वीडियोग्राफी को दोषसिद्धि का महत्वपूर्ण आधार माना। घटना थाना सुहेला क्षेत्र की है। पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि अवैध रूप से शराब का परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर ग्राम पड़कीडीह पानी टंकी के पास घेराबंदी कर मोटरसाइकिल क्रमांक छत्त-04-छश-7324 को रोका गया। तलाशी के दौरान दो थैलों से 213 पाव (38.340 बल्क लीटर) गोवा व्हिस्की बरामद की गई। पूछताछ में आरोपियों के पास शराब परिवहन से संबंधित कोई वैध परमिट या दस्तावेज नहीं मिला। मामले में सहायक उप निरीक्षक वीरेंद्र सिंह ने जांच और विवेचना पूरी कर आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार किया तथा चालान न्यायालय में प्रस्तुत किया। पुलिस ने कार्रवाई के दौरान घेराबंदी, तलाशी और शराब की बरामदगी की पूरी प्रक्रिया की मोबाइल से डिजिटल वीडियोग्राफी कराई। इसे सीडी के रूप में न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

हत्या के मामले में फरार आरोपी की तलाश के लिए नौ सदस्यीय टीम गठित

रायपुर। थाना मुलमुला क्षेत्र में दर्ज हत्या के गंभीर मामले में फरार अज्ञात आरोपी की पतासाजी और गिरफ्तारी के लिए पुलिस अधीक्षक जांजगीर-चांपा ने विशेष टीम का गठन किया है। अपराध क्रमांक 249/2026, धारा 103(1) बीएनएस के इस प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने जांच को तेज करते हुए सभी संभावित पहलुओं से साक्ष्य जुटाने के निर्देश दिए हैं। पुलिस अधीक्षक द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. यूलैण्डन यार्क के नेतृत्व में नौ सदस्यीय टीम गठित की गई है। टीम में डॉ. मेखलेन्द्र प्रताप सिंह, निरीक्षक शिवानंद सिंह, निरीक्षक भास्कर शर्मा, प्रधान आरक्षक 402 रूद्रनारायण कश्यप, प्रधान आरक्षक 347 राजकुमार चंद्रा, आरक्षक 655 प्रदीप दुबे, आरक्षक 232 शहबाई अहमद, आरक्षक 464 रामगोपाल भारती और आरक्षक 954 ओमप्रकाश डहरिया को शामिल किया गया है। गठित टीम में थाना मुलमुला के पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों के साथ साइबर थाना जांजगीर के अधिकारियों और जवानों को भी शामिल किया गया है। इससे मामले में तकनीकी साक्ष्यों और डिजिटल इनपुट के आधार पर आरोपी तक पहुंचने की दिशा में भी जांच किए जाने के संकेत हैं। आदेश में टीम को प्रकरण की बारीकी से विवेचना करते हुए सभी पहलुओं पर साक्ष्य एकत्र करने तथा फरार अज्ञात आरोपी की पतासाजी कर उसकी गिरफ्तारी सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, हत्या जैसे गंभीर अपराध में प्रत्येक संभावित पहलू की जांच और वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाना प्राथमिकता है। विशेष टीम के गठन से मामले की विवेचना को और गति मिलने की उम्मीद है।

पिस्टलनुमा एयरगन से युवक पर फायर हुए आरोपी को रेलवे स्टेशन पर दबोचा

रायपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के दिशा-निर्देशन में गंभीर अपराधों में फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए रायगढ़ पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना कोतवाली एवं साइबर थाना की संयुक्त टीम ने मामूली विवाद में युवक पर पिस्टलनुमा एयरगन से फायर कर फरार हुए आरोपी हरसवरन सिंह घोतड़ा को ग्वालियर रेलवे स्टेशन से हिरासत में लिया गया है। आरोपी को पकड़ने में साइबर टीम की तकनीकी पतासाजी और जीआरपी ग्वालियर के सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दिनांक 29 अगस्त 2026 की रात कोतरारोड क्षेत्र में सड़क पर पानी के छींटे पड़ने की मामूली बात को लेकर आरोपी का खुशहाल अग्रवाल से विवाद हुआ था। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने पिस्टलनुमा हथियार से खुशहाल के सिर को निशाना बनाकर दो बार फायर किया। खुशहाल के नीचे बैठ जाने से वह फायर की चपेट में आने से बच गया। घटना के बाद आरोपी अपनी मोटरसाइकिल मौके पर छोड़कर फरार हो गया था। पुलिस ने घटनास्थल के पास से पिस्टलनुमा हथियार बरामद किया, प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में धारा 296, 351(3), 115(2), 109(1) बीएनएस एवं

रिंग रोड परियोजना से यातायात व्यवस्था होगी सुगम

वित्त मंत्री चौधरी ने किया विकास परियोजनाओं का मैराथन निरीक्षण

- रिंग रोड, पुल, केलो रिवर फ्रंट, मरीन ड्राइव, ऑक्सीजोन और आधुनिक अधोसंरचना परियोजनाओं को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश
- आने वाले एक-दो वर्षों में रायगढ़ के विकास की तस्वीर जमीन पर स्पष्ट दिखाई देगी : वित्त मंत्री

रायपुर/ संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में अधोसंरचना विकास को नई गति मिल रही है। इसी क्रम में रायगढ़ शहर को आधुनिक, सुव्यवस्थित और बेहतर नागरिक सुविधाओं से युक्त शहर के रूप में विकसित करने की दिशा में वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक श्री ओ.पी. चौधरी ने शुक्रवार को शहर की प्रमुख विकास परियोजनाओं का मैराथन निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति, गुणवत्ता और समय-सीमा की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं निर्माण एजेंसियों को कार्यों में तेजी लाने तथा निर्धारित समय में गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने दूध डेयरी ऑक्सीजोन से निरीक्षण की शुरुआत की। इसके बाद उन्होंने गोवर्धनपुर में केलो नदी पर निर्माणाधीन पुल, खर्राघाट स्थित केलो रिवर फ्रंट, नालंदा परिसर, एसईसीएल रोड मरीन ड्राइव, कयाघाट पुल, मिनी स्टेडियम स्थित स्केटिंग रिंग, कौहाकुंडा हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, स्टेडियम और एफसीआई ऑक्सीजोन सहित विभिन्न विकास कार्यों का स्थल निरीक्षण किया। वित्त मंत्री श्री

चौधरी ने कहा कि रायगढ़ के विकास के लिए जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, इंजीनियरों और निर्माण एजेंसियों के समन्वय से लगातार कार्य किया जा रहा है। हमारा उद्देश्य केवल निर्माण कार्य कराना नहीं, बल्कि शहर की अधोसंरचना को मजबूत करते हुए नागरिकों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाना है। प्रत्येक परियोजना की गहन निगरानी की जा रही है, ताकि विकास कार्य तेजी के साथ उच्च गुणवत्ता में पूरे हों। उन्होंने कहा कि रायगढ़ औद्योगिक विकास के क्षेत्र में प्रदेश के महत्वपूर्ण शहरों में शामिल है। औद्योगिक गतिविधियों के अनुरूप शहर में जिस स्तर की अधोसंरचना विकसित होनी चाहिए थी, वह लंबे समय तक अपेक्षित गति से नहीं बन पाई। इसके चलते यातायात, भारी वाहनों के दबाव, दुर्घटनाओं, धूल और प्रदूषण जैसी समस्याएं सामने आती रही हैं। अब इन चुनौतियों के स्थायी समाधान के लिए सुनियोजित ढंग से बड़े अधोसंरचनात्मक कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने रिंग रोड परियोजना को रायगढ़ के भविष्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। घरघोड़ा रोड से झारसुगुड़ा रोड को जोड़ने के लिए प्रथम चरण में कार्य किया जा रहा है। इस परियोजना पर 400 करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में रायगढ़ से घरघोड़ा तक सड़क को फोरलेन करने की दिशा में भी प्रयास किए जाएंगे। वित्त मंत्री श्री चौधरी ने कहा कि रायगढ़ में बेहतर सड़कों और पुलों के साथ-साथ हरित क्षेत्रों, खेल सुविधाओं, आधुनिक सार्वजनिक सुविधाओं और नागरिक अधोसंरचना के विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

ओबीसी के लिए अलग स्पष्ट कॉलम नहीं, केंद्र की नीयत पर गंभीर सवाल : विनोद चंद्राकर..

- जातिगत जनगणना में ओबीसी की स्पष्ट पहचान सुनिश्चित करे केंद्र सरकार, पिछड़े समाज के साथ न्याय जरूरी

रायपुर/ संवाददाता

केंद्र की मोदी सरकार द्वारा जनगणना-2027 में जाति की गणना शामिल करने का निर्णय लिया गया है, लेकिन जाति संबंधी जानकारी दर्ज करने की व्यवस्था में ओबीसी के लिए अलग और स्पष्ट वर्गीकरण नहीं होने पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस मुद्दे पर पूर्व संसदीय सचिव छत्तीसगढ़ शासन एवं महासमुंद के पूर्व विधायक विनोद सेवन लाल चंद्राकर ने केंद्र सरकार की नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा है कि केवल जाति पूछ लेना पर्याप्त नहीं है, बल्कि ओबीसी समाज की स्पष्ट और विश्वसनीय गणना भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। श्री चंद्राकर ने कहा कि केंद्र सरकार ने आगामी जनगणना में जातिगत आंकड़े जुटाने का निर्णय लिया है, जो लंबे समय से उठ रही सामाजिक न्याय की मांग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन यदि जाति की जानकारी खुले रूप में दर्ज की जाएगी और ओबीसी के लिए स्पष्ट पृथक वर्गीकरण नहीं होगा, तो ओबीसी समाज की वास्तविक जनसंख्या के आंकड़ों को व्यवस्थित और विश्वसनीय रूप से सामने लाने में गंभीर चुनौतियां पैदा हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में अलग-अलग जातियों, उपजातियों और स्थानीय नामों के कारण जातिगत आंकड़ों का वैज्ञानिक वर्गीकरण बेहद महत्वपूर्ण है। जब सरकार खुद जातिगत आंकड़े जुटाने जा रही है, तो ओबीसी की स्पष्ट पहचान और वर्गीकरण की व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है? केंद्र सरकार को इस सवाल का जवाब देश के पिछड़े वर्गों को देना चाहिए। श्री चंद्राकर ने कहा कि ओबीसी समाज को केवल चुनाव के समय याद करना और उसके अधिकारों के सवाल पर मौन रहना स्वीकार नहीं किया जा सकता। सामाजिक न्याय की नीतियों, आरक्षण, शिक्षा, रोजगार और सरकारी योजनाओं में प्रभावी भागीदारी के लिए यह जानना जरूरी है कि देश में विभिन्न सामाजिक वर्गों की वास्तविक जनसंख्या कितनी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस लंबे समय से सामाजिक न्याय और जातिगत जनगणना की मांग उठाती रही है। राहुल गांधी जी ने भी जातिगत जनगणना और जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी का सवाल राष्ट्रीय बहस के केंद्र में रखा है। ऐसे में केंद्र सरकार की जिम्मेदारी है

धान से गेंदा की खेती की ओर बढ़े आनंदराम, 0.400 हेक्टेयर में कमाया 3.96 लाख रुपए

रायपुर/ संवाददाता

धान की खेती करने वाले किसान श्री आनंद राम ने उद्यानिकी विभाग के मार्गदर्शन और एनएचएम गेंदा क्षेत्र विस्तार योजना का लाभ लेते हुए 0.400 हेक्टेयर क्षेत्र में गेंदा फूल की खेती की। इससे उन्हें लगभग 44 क्विंटल गेंदा फूल का उत्पादन प्राप्त हुआ और बिक्री से 3 लाख 96 हजार रुपये की आय हुई। लैलूंगा विकासखण्ड के ग्राम-कोड़केल निवासी किसान श्री आनंद राम सिदार पहले अपने खेत में धान की खेती करते थे। 0.400 हेक्टेयर क्षेत्र में धान से उन्हें लगभग 10 क्विंटल उत्पादन प्राप्त होता था, जिसे बेचने पर करीब 31 हजार रुपये की आय होती थी। विभिन्न लागतों को घटाने के बाद उनका कुल लाभ लगभग 22 हजार रुपये रहता था। वर्ष 2025-26 में उद्यानिकी विभाग द्वारा किसान को गेंदा फूल की खेती के लिए प्रोत्साहित किया गया। विभाग की आवश्यक तकनीकी जानकारी और मार्गदर्शन के आधार पर किसान ने अपने 0.400 हेक्टेयर सिंचित क्षेत्र में गेंदा की खेती की। बेहतर प्रबंधन एवं देखरेख के परिणामस्वरूप उन्हें लगभग 44 क्विंटल गेंदा फूल का उत्पादन प्राप्त हुआ। उत्पाद की बिक्री से उन्हें 3 लाख 96 हजार रुपये प्राप्त हुए। गेंदा की खेती में किसान को इनपुट लागत के रूप में लगभग 20 हजार रुपये, श्रमिक लागत 20 हजार रुपये तथा अन्य खर्च के रूप में करीब 15 हजार रुपये व्यय करना पड़ा। इस प्रकार कुल लागत लगभग 55 हजार रुपये रही। कुल बिक्री आय में से लागत घटाने के बाद किसान को लगभग 3 लाख 41 हजार रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ। इस प्रकार परंपरागत धान की खेती से प्राप्त लगभग 22 हजार रुपये के लाभ की तुलना में गेंदा फूल की खेती से किसान की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। किसान आनंद राम सिदार की गेंदा खेती की सफलता को देखकर गांव के अन्य किसान भी प्रभावित हुए हैं। किसानों में अब पारंपरिक फसलों के साथ उद्यानिकी फसलों को अपनाने और अपनी आय बढ़ाने के प्रति रुचि बढ़ी है। कई किसान भविष्य में राष्ट्रीय बागवानी मिशन के अंतर्गत गेंदा क्षेत्र विस्तार जैसी योजनाओं का लाभ लेने के इच्छुक हैं। अधिकारियो ने बताया कि विभागीय योजनाओं का लाभ लेकर, तकनीकी मार्गदर्शन के साथ पारंपरिक खेती में विविधता लाकर किसान अपनी आमदनी में बड़ा बदलाव ला सकते हैं।

प्रदेश मीडिया संयोजक ने खबरों को बताया निराधार

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद पर बने रहेंगे विधायक किरण सिंह देव...

रायपुर। संवाददाता

भारतीय जनता पार्टी के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष एवं जगदलपुर के विधायक किरण सिंह देव को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद से हटा कर किसी और को जिम्मेदारी दी जाने की खबरों तथा कयासों की हवा निकल गई है। कुछ मीडिया संस्थानों द्वारा खबर फैलाई जा रही थी कि किरण सिंह को अस्वस्थता के कारण पदमुक्त किया जा रहा है। भाजपा के प्रदेश मीडिया संयोजक हेमंत पाणिग्रही स्पष्ट किया है कि पार्टी में ?सी कोई हलचल ही नहीं हो रही है, सारी खबरें मनगढ़ंत और निराधार हैं। किरण देव अच्छी रिकवरी कर

रहे हैं और जल्द पूर्णत: स्वस्थ होकर छत्तीसगढ़ लौटेंगे तथा पार्टी का कामकाज पूर्ववत सम्हालते रहेंगे। विदित हो कि कुछ मीडिया चैनलों और अखबारों में किरण सिंह देव को उनके स्वास्थ्यगत कारणों से प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पद से मुक्त किया जा रहा है। उनकी जगह केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू या किसी अन्य बड़े नेता को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी देने की तैयारी पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व कर चुका है। इन खबरों को प्रदेश भाजपा के मीडिया संयोजक हेमंत पाणिग्रही ने सिरे से खारिज कर दिया है। हेमंत पाणिग्रही ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि सारी बातें बेबुनियाद और बे सिर पैर की हैं। किरण देव पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हैं और आगे भी बने रहेंगे। हेमंत पाणिग्रही ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर यह जानकारी दी है। हमारे संवाददाता को हेमंत पाणिग्रही ने बताया कि किरण सिंह देव की हेल्थ में अच्छी रिकवरी हो रही है और वे जल्द ही पूर्णत: स्वस्थ होकर लौटेंगे।

गोविंदपुर में भालुओं का आतंक, घर में घुसकर आराम करता दिखा भालू

रायपुर। शहर के रिहायशी इलाके गोविंदपुर में भालुओं की बढ़ती सक्रियता ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। अंधेरा होते ही इलाके में भालुओं की आवाजाही शुरू हो जाती है। भोजन की तलाश में भालू कई घरों के दरवाजे तक तोड़ चुके हैं। अब एक भालू के घर के अंदर घुसने का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि बीती रात गोविंदपुर में एक घर के अंदर अचानक भालू घुस आया। घर में घुसने के बाद भालू ने भोजन की तलाश की और कुछ देर तक वहीं आराम करता नजर आया। भालू की मौजूदगी से घर के सदस्य बुरी तरह डर गए और दहशत के चलते अंदर ही दुबके रहे। इस दौरान परिवार के सदस्यों ने भालू का वीडियो बना लिया।

बाल संरक्षण नीति की जानकारी दी गई

बाल संरक्षण को लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेशभर में जागरूकता अभियान तेज

- स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों और सार्वजनिक स्थलों पर बच्चों एवं आमजन को बताए बाल अधिकार और सुरक्षा के उपाय

रायपुर/ संवाददाता

छत्तीसगढ़ में बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा, बाल अपराधों की रोकथाम और संकट की स्थिति में त्वरित सहायता उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य बाल संरक्षण समिति के निर्देशन में प्रदेशभर में जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। इसी कड़ी में रायपुर, बालोद और बेमेतरा की टीमों द्वारा स्कूलों, आंगनबाड़ी केंद्रों तथा सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों, किशोर-किशोरियों, शिक्षकों, अभिभावकों और आम नागरिकों को बाल संरक्षण से जुड़े कानूनों एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी दी गई। रायपुर जिले में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, भाटागांव द्वारा स्काउट गाइड, बेमेतरा की टीम, बालिकाओं के समूह, धूम्रपान करते पाए गए बालकों तथा आने-जाने वाले यात्रियों को बाल संरक्षण के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान किशोर न्याय (बालकों की देखरेख एवं संरक्षण) अधिनियम 2015 एवं आदर्श नियम 2016, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 एवं नियम 2020, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, दत्तक ग्रहण विनियम 2022 सहित मिशन वात्सल्य, मुख्यमंत्री बाल उदय योजना, बाल सक्षम नीति और बाल संरक्षण नीति की जानकारी दी गई। जागरूकता कार्यक्रम में बाल हिंसा, शोषण, ट्रैफिकिंग, बाल श्रम, बाल तस्करी और साइबर अपराध जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी लोगों को सजग किया गया। साथ ही 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान तथा संकट की स्थिति में उपलब्ध सहायता सेवाओं के बारे में जानकारी दी गई। किसी भी बच्चे के संकट में होने या बाल अधिकारों के

उल्लंघन की स्थिति में चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, महिलाओं के लिए 181 तथा आपातकालीन पुलिस सहायता के लिए 112 पर संपर्क करने की जानकारी भी दी गई। रायपुर जिले में 13 अगस्त को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खुड़मुड़ी (तिल्दा) और शासकीय हाई स्कूल छतौद (तिल्दा) में आयोजित जागरूकता कार्यक्रम में 671 बच्चों और 16 शिक्षकों ने सहभागिता की। विद्यार्थियों को बाल हितैषी सिद्धांतों, बाल अधिकारों, पॉक्सो अधिनियम, किशोर न्याय अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, साइबर क्राइम तथा गुड टच-बैड टच सहित विभिन्न विषयों की जानकारी दी गई। इस दौरान छतौद के आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक-03 का भी निरीक्षण कर बच्चों, शिशुवती माताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका को विभागीय योजनाओं और चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 के संबंध में जागरूक किया गया। इसी क्रम में बालोद जिले के विकासखंड बालोद अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोंघाटोला में जिला बाल संरक्षण इकाई एवं चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 द्वारा जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों को पॉक्सो अधिनियम 2012, किशोर न्याय अधिनियम 2015, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006, गुड टच-बैड टच, साइबर क्राइम और बाल अधिकारों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में 113 बालक-बालिकाओं सहित विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षक-शिक्षिकाओं ने सहभागिता की। बच्चों को किसी भी प्रकार के शोषण, हिंसा अथवा संकट की स्थिति में सहायता प्राप्त करने की प्रक्रिया भी समझाई गई। बाल संरक्षण से जुड़ी इन गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ समाज में बाल विवाह, बाल श्रम, बाल तस्करी, हिंसा, शोषण और साइबर अपराध के विरुद्ध सजगता बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। विभाग द्वारा आमजन से अपील की गई है

संपादकीय

नशे के विरुद्ध देहरादून की महिलाओं का मोर्चा, गांव की गलियों में दे रही पहरा

ये महिलाएं शाम होते ही गांव की गलियों में निकल आती हैं और हर आने-जाने वाले पर नजर रखती हैं। इनका मकसद गांव को मादक पदार्थों के सेवन और कारोबार से दूर रखना है। देश में नशीले पदार्थों का बढ़ता अवैध कारोबार व्यक्ति, परिवार और समाज के लिए एक गंभीर समस्या बन चुका है। इससे न केवल स्वास्थ्य संबंधी जटिलताएं पैदा हो रही हैं, बल्कि घरेलू कलह, हिंसा और अन्य आपराधिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल रहा है। खासकर युवा पीढ़ी इससे ज्यादा प्रभावित हो रही है और घरेलू स्तर पर इसकी मार महिलाओं और बच्चों को झेलनी पड़ती है।सरकार की ओर से नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के दावे तो किए जाते हैं, लेकिन इन्हें धरातल पर उतारने की गंभीरता कम ही नजर आती है। ऐसी स्थिति में विभिन्न राज्यों में सामाजिक स्तर पर नशे के खिलाफ मुहिम चलाने के प्रयास होते रहे हैं। इसी क्रम में अब उत्तराखंड में देहरादून के थानी गांव में महिलाओं ने नशे के विरुद्ध मोर्चा संभाला है।ये महिलाएं शाम होते ही गांव की गलियों में निकल आती हैं और हर आने-जाने वाले पर नजर रखती हैं। इनका मकसद गांव को मादक पदार्थों के सेवन और कारोबार से दूर रखना है। महिलाओं का यह साहस और प्रतिबद्धता निश्चित तौर पर एक स्थायी बदलाव की दिशा में सराहनीय प्रयास है, लेकिन इससे सरकारी तंत्र की व्यवस्था पर भी कई सवाल खड़े होते हैं।गौरतलब है कि देश में नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार का जाल अब ग्रामीण इलाकों तक पहुंच गया है।

स्कूल-कालेजों में पढ़ने वाले विद्यार्थी और बेरोजगार युवा मादक पदार्थों के तस्करों का आसान निशाना बन रहे हैं। ऐसे में जरूरी है कि सामाजिक स्तर पर भी नशे के खिलाफ व्यापक मुहिम चले। हालांकि, देहरादून के गांव में महिलाओं ने जो बीड़ा उठाया है, वह आसान नहीं है।दिनभर घर के कामकाज में व्यस्त रहना और रात को गांव की गलियों में पहरा देना दूसरे लोगों के लिए भी प्रेरणादायक है। इस तरह की मुहिम इसलिए भी महत्त्वपूर्ण है कि अगर सरकार किसी राज्य या जिले में मादक पदार्थों पर पूर्ण प्रतिबंध लगाती है, तो मादक पदार्थों के सेवन और कारोबार से जुड़े लोग वैध-अवैध वैकल्पिक रास्ता तलाश लेते हैं। मगर, जब सामाजिक स्तर पर बदलाव का प्रयास किया जाए, तो उसके परिणाम समस्या के स्थायी समाधान के रूप में सामने आ सकते हैं। हालांकि, इसका अर्थ यह नहीं है कि संबंधित सरकारी महकमे या सुरक्षा एजंसियों की जिम्मेदारी कम हो जाती है।

विश्वविद्यालय को इस नियुक्ति के लिए खासी सराहना मिली, मगर यह चार बरस की चांदनी ही साबित हुई। जुलाई, 2026 में कुछ लोगों ने प्रोफेसर जेसन पर नकल करके पीएचडी करने के आरोप लगा दिए। इसके बाद पीएचडी की उपाधि देने वाले विश्वविद्यालय के स्पष्टीकरण पर यह मामला थोड़ा शांत हुआ, पर विवाद का जिन्न फिर जाग गया। कैंब्रिज विश्वविद्यालय के कुछ अधिकारियों ने ही प्रोफेसर जेसन की नियुक्ति के मानदंडों पर पर सवाल खड़े कर दिए। मीडिया में भी इस पर चर्चा हुई और विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से भी इस मामले पर असंवदेनशीलता दिखाई गई, जबकि आरोप सिद्ध नहीं हुए थे।

उच्च शिक्षण संस्थानों की साख पर सवाल

(प्रदीप कुमार राय)

कैंब्रिज के प्रोफेसर जेसन अर्डे से जुड़े विवाद ने अकादमिक ईमानदारी, नस्लीय भेदभाव, पारदर्शिता और संस्थागत जवाबदेही पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं

दुनिया के किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान की साख में गिरावट पूरी मानवता के लिए स्वाभाविक चिंता का विषय होना चाहिए, क्योंकि यहां की चारदीवारी में न केवल तरक्की की इबारत लिखी जाती है, बल्कि 'व्यक्ति से व्यक्तित्व' का निर्माण भी होता है। सवाल जब उस देश से जुड़ा हो, जो उच्च कोटि के विश्वविद्यालयों का घर (इंग्लैंड) है और उसमें में भी वहां के श्रेष्ठतम विश्वविद्यालय आशंका के घेरे में हों, तो चिंता और भी गहरी हो जाती है। भरोसे की दीवार एक बार ढह जाए, तो उसे दोबारा बनाना आसान नहीं होता।

दरअसल, न्यूटन, डार्विन और स्टीफन हाकिंग जैसी विलक्षण प्रतिभाओं को पल्लवित करने वाले इंग्लैंड के वर्ष 1209 में स्थापित कैंब्रिज विश्वविद्यालय और यहां के लीवर पूल जान मूर्स नाम के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के भरोसे की दीवार बुरी तरह दरकी है। इन विश्वविद्यालयों की दुनिया में एक अलग पहचान है, मगर ये आज भी नस्लीय भेदभाव से अछूते नहीं हैं।

कैंब्रिज विश्वविद्यालय ने वर्ष 2022 में एक अश्वेत शिक्षाविद डा जेसन अर्डे को 37 बरस की उम्र में अपने यहां 'शिक्षा और समाजशास्त्र' विषय में प्रोफेसर नियुक्त किया था।

विश्वविद्यालय को इस नियुक्ति के लिए खासी सराहना मिली, मगर यह चार बरस की चांदनी ही साबित हुई। जुलाई, 2026 में कुछ लोगों ने प्रोफेसर जेसन पर नकल करके पीएचडी करने के आरोप लगा दिए। इसके बाद पीएचडी की उपाधि देने वाले विश्वविद्यालय के स्पष्टीकरण पर यह मामला थोड़ा शांत हुआ, पर विवाद का जिन्न फिर जाग गया। कैंब्रिज विश्वविद्यालय के कुछ अधिकारियों ने ही प्रोफेसर जेसन की नियुक्ति के मानदंडों पर पर सवाल खड़े कर दिए। मीडिया में भी इस पर चर्चा हुई और विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से भी इस मामले पर असंवदेनशीलता दिखाई गई, जबकि आरोप सिद्ध नहीं हुए थे। वहीं, आरोपों से व्यथित होकर प्रोफेसर जेसन ने सही से अपना पक्ष रखे बिना ही बीते पांच अगस्त को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। विश्वविद्यालय ने भी उन्हें जांच पूरी होने तक अपने पद पर बने रहने के लिए नहीं कहा।

प्रोफेसर जेसन इस प्रकरण से बहुत आहत हुए और चौदह अगस्त को अचानक उनका निधन हो गया। जांच एजंसियों ने इसे प्राकृतिक मौत माना, पर इसके लिए अप्राकृतिक कारण जिन्होंने पैदा किए, उस पर पूरा व्यवस्था तंत्र मौन है। प्रोफेसर जेसन की पीएचडी को अपनी शिकायत से विवादों में लाने वाले श्वेत अनुसंधानकर्ता नाथन काफनास को उनके अपने ही बैल्जियम स्थित गेंट विश्वविद्यालय ने नस्लीय भेदभाव के आरोप में निलंबित कर दिया है।

उल्लेखनीय है कि नाथन अपने अध्ययनों के जरिए यह दावा भी कर चुके हैं कि कैसे श्वेत और अश्वेत व्यक्ति की योग्यता आनुवांशिक आधार पर तय की जाती है। कैंब्रिज में ह्यूनवर्सिटी एंड कालेजह्न यूनियन के महासचिव जो ग्रेडी का कहना है कि प्रोफेसर जेसन को जिस तरह का उत्पीड़न झेलना पड़ा, उससे घृणित कुछ भी नहीं हो सकता। उन्होंने इसकी गहराई से जांच करने की मांग की है।

गौरतलब है कि प्रोफेसर जेसन की मौत के बाद ब्रिटेन के प्रधानमंत्री और शिक्षा मंत्री से लेकर दुनिया भर के शिक्षक समुदाय तथा अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञों की तरफ से जो सवाल

उठाए गए, उसने कैंब्रिज विश्वविद्यालय की साख को गहरी चोट पहुंचाई। प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने कहा कि प्रोफेसर जेसन की मौत कई स्तरों वाली त्रासदी है। उनके इस सारगर्भित वाक्य को कुछ ऐसे समझा जा सकता है- इस मामले में बहुरूपी त्रासदी बड़े विश्वविद्यालयों की उच्च शिक्षा की गुणवत्ता और उपाधि की पूरी गारंटी देने की विफलता में नजर आती है, यह त्रासदी कैंब्रिज विश्वविद्यालय जैसे शीर्ष संस्थान की संवेदनहीनता भी दिखाती है। इसके अलावा यह त्रासदी एक बड़े विश्वविद्यालय के नियुक्ति के उच्च मानदंडों पर भी सवाल खड़ा करती है।

इस घटना का ताल्लुक केवल दो विश्वविद्यालयों की दीवारों के भीतर समाप्त नहीं होता, बल्कि यह पूरी दुनिया को खुद से जोड़ता है। सवाल यह है कि प्रोफेसर जेसन को पीएचडी की उपाधि प्रदान करने वाले लीवर पूल जान मूर्स विश्वविद्यालय ने अपना पक्ष रखते हुए पीएचडी में साहित्य चोरी के आरोपों से तो साफ इनकार कर दिया था, मगर जब शिकायतकर्ताओं ने आरोप को दूसरे परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत किया, तो संबंधित विश्वविद्यालय ने इसका पुरजोर तरीके से विरोध क्यों नहीं किया?

प्रोफेसर जेसन की पीएचडी में गड़बड़ी के आरोपों को उछालने वाले कैंब्रिज के शोधार्थी नाथन काफनास ने दावा किया था कि जेसन ने अपने शोधपत्र में कई पैरा कहीं दूसरी जगह बिना संपादन के चस्पा कर दिए।

सवाल यह भी है कि नाथन के दावे के समांतर प्रोफेसर जेसन को पीएचडी की उपाधि देने वाले विश्वविद्यालय ने शोधपत्र जमा कराने के वक्त खुद की जांच रिपोर्ट सार्वजनिक क्यों नहीं की। पूरी दुनिया को साहित्य चोरी जांचने के महंगे साफ्टवेयर बेचने वाले पश्चिमी देशों को क्या खुद इनकी विश्वसनीयता पर कोई संदेह है?

दूसरा, अगर मामला साफ्टवेयर की विफलता का नहीं है, तो फिर उन्हें बताना चाहिए कि आखिर परदादारी किस बात की है? शिकायतकर्ता नाथन को तो खुद ही नस्लीय भेदभाव के आरोप में उनके विश्वविद्यालय ने निलंबित कर दिया है, तो अब उनके साहित्य चोरी के आरोप भी गहरी जांच का विषय हैं। देखना होगा कि कहीं यह मामला सुविधा के अनुसार मानदंड बदलने के पूर्वाग्रह का तो नहीं है।

सवाल यह भी उठ रहा है कि कैंब्रिज विश्वविद्यालय इस प्रकरण में बार-बार अपने रंग क्यों बदलता रहा? पहले प्रोफेसर जेसन की नियुक्ति पर जमकर वाहवाही लूटी गई। फिर उनकी पीएचडी को लेकर लगे आरोपों के साबित हुए बिना ही पूरी दुनिया में उनकी छवि को धूमिल होने दिया गया। शायद वह भूल गया कि जब लोग पूछेंगे कि क्या कैंब्रिज जैसे प्रतिष्ठित संस्थान में भी नियुक्तियों में अनियमितताएं होती हैं, तो उसके पास क्या जवाब होगा। हालांकि, शिक्षाविदों का कहना है कि यह सब इतना आसान नहीं है कि इतनी बड़ी त्रासदी को कैंब्रिज प्रशासन चटाई के नीचे छिपाकर बैठ जाएगा।

विश्वविद्यालय की कुलपति ने इस घटना पर खेद जताकर भले ही मानवीय दृष्टिकोण रखा, लेकिन इसे न्याय की दृष्टि से कभी नहीं देखा जाएगा। इस मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई से न्याय सुनिश्चित हो पाएगा।

एक ब्रिटिश राजनेता का कहना है- 'कुछ विश्वविद्यालयों ने प्रोफेसर जेसन को अपना पोस्टर ब्वाय बनाने के लिए उनकी कम उम्र और अश्वेत होने को ही नियुक्ति का आधार बना लिया'। फिर इस मामले में नस्लीय भेदभाव के आरोप तो और भी कई लोग लगा रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि कैंब्रिज ने शोध, पठन-पाठन और प्राध्यापकों की नियुक्ति के उच्च आदर्श स्थापित किए हैं। मगर सैकड़ों वर्षों की इस सशक्त विरासत का अर्थ पारदर्शिता से मुंह मोड़ना नहीं हो सकता। संस्थान को जवाब तो देना होगा।

इस मामले में कैंब्रिज को अपनी चूक भी जगजाहिर करनी चाहिए। प्रोफेसर जेसन दोषी थे या नहीं, इसकी भी गहन जांच होनी चाहिए। अगर यह पीएचडी की उपाधि के बजाय नस्लीय भेदभाव का मामला है, तो भी उसकी तह में जाना होगा। विश्वविद्यालयों की वैश्विक रैंकिंग में दूसरे देशों के संस्थानों की व्यवस्था में खोट निकालने वालों को अपनी नैतिक रैंकिंग का हिसाब भी देना चाहिए।

विचारों की खूबसूरती हमें सुंदर बनाती है

(निर्मल कांत)

ज्ञान हमें योग्य बनाता है, परंतु अच्छा आचरण हमें प्रिय और सम्मानित बनाता है। यही कारण है कि एक साधारण व्यक्ति भी अच्छे विचारों के जरिये अपने व्यक्तित्व को प्रभावशाली बना सकता है। मनुष्य केवल अपनी वाणी से ही अपने व्यक्तित्व को प्रकट नहीं करता, बल्कि उसका हावभाव, चाल-ढाल, बैठने-उठने का ढंग और दूसरों के प्रति उसका व्यवहार भी उसके भीतर छिपे विचारों और संस्कारों को व्यक्त करते हैं। वाणी के बिना भी व्यक्ति बहुत कुछ कह सकता है। यही मौन भाषा उसके व्यवहार में दिखाई देती है। व्यवहार वास्तव में विचारों का शरीर में प्रवेश कर जाना है। हमारे विचार हमारे पूरे व्यक्तित्व की गतिविधियों को प्रभावित करते हैं। अच्छा व्यवहार केवल बाहरी सजावट नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर की गुणवत्ता का प्रतिबिंब है।

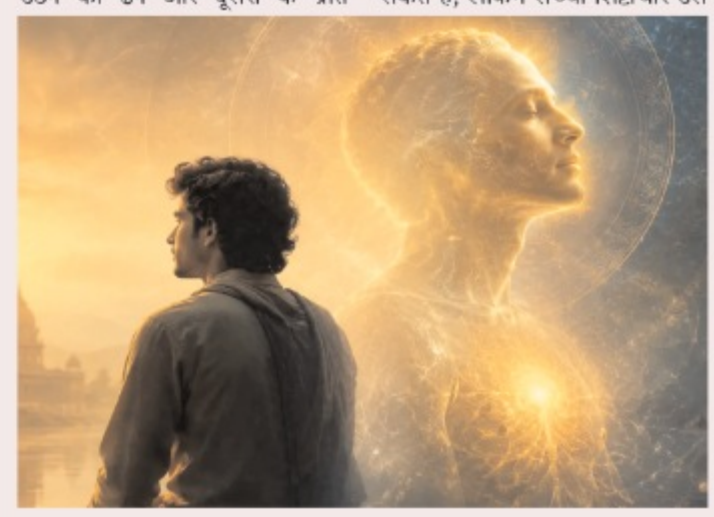

जिस प्रकार किसी कार्य को करने का एक श्रेष्ठ तरीका हो सकता है, उसी प्रकार जीवन में प्रत्येक कार्य को गरिमा, सहजता और प्रेम के साथ करने का भी एक श्रेष्ठ तरीका होता है। यही सुंदर व्यवहार है। शिष्टाचार की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वह छोटी-छोटी बातों को भी सुंदर बना देता है। किसी को सम्मानपूर्वक संबोधित करना, ध्यान से सुनना, समय का मूल्य समझना, विनम्रता से बोलना, आवश्यकता के समय सहायता करना और दूसरों की भावनाओं का सम्मान करना, ऐसे छोटे व्यवहार हैं, जो व्यक्ति के चरित्र को ऊंचा उठाते हैं। प्रारंभ में ये बातें सचेत अभ्यास से सीखी जाती हैं, लेकिन निरंतर अभ्यास के बाद ये मनुष्य के स्वभाव का हिस्सा बन जाती हैं। तब शिष्टाचार जीवन पर ऐसी सुंदर परत चढ़ा देता है, जो उसके सामान्य कार्यों को भी आकर्षक बना देती है। वास्तव में, शिष्टाचार कोई दिखावा नहीं, बल्कि मनुष्य की आंतरिक संस्कृति का सहज प्रकाश है।

अच्छे व्यवहार की शक्ति निरंतर बनी रहती है। धन, सौंदर्य, पद या प्रतिभा व्यक्ति को कुछ अवसर दे सकते हैं, लेकिन सच्चा शिष्टाचार उसे लोगों के हृदय में स्थान दिलाता है। अच्छे संस्कार व्यक्ति के लिए ऐसे द्वार खोल सकते हैं, जिन्हें केवल धन या बाहरी आकर्षण से खोल पाना संभव नहीं। यही कारण है कि व्यवहार मनुष्य की सबसे बड़ी सामाजिक पूंजी बन जाता है। एक साधारण व्यक्ति भी अच्छे विचारों के जरिये अपने व्यक्तित्व को प्रभावशाली बना सकता है। इसके लिए केवल अभ्यास, सजगता और दूसरों के प्रति सम्मान की आवश्यकता होती है। ज्ञान हमें योग्य बनाता है, परंतु अच्छा आचरण हमें प्रिय और सम्मानित बनाता है। इसलिए, हमें अपने शब्दों के साथ-साथ व्यवहार को भी सुंदर बनाना चाहिए। मधुर वाणी, विनम्रता, आत्मविश्वास, सहानुभूति और सम्मान को जीवन का हिस्सा बनाकर हम न केवल अपना व्यक्तित्व निखार सकते हैं, बल्कि अपने आसपास के वातावरण को भी अधिक मानवीय और सुंदर बना सकते हैं। सच्ची सफलता केवल यह नहीं कि लोग हमें कितना जानते हैं, बल्कि यह भी है कि वे हमारे साथ रहकर कैसा अनुभव करते हैं। जब विचार अच्छे हों, भावनाएं निर्मल हों व व्यवहार में विनम्रता हो, तब व्यक्तित्व स्वतः प्रभावशाली बन जाता है।

शिक्षा व्यवस्था में बढ़ती अव्यवस्था से क्यों बढ़ रही है युवाओं की चिंता?

ऐसी स्थितियों को निर्मित करने वाले अपराधी पढ़े-लिखे होते हैं, वे व्यवस्था को जानते हैं और उसे चलाने वालों में से कुछ को चिह्नित कर उन्हें भी अपने साथ शामिल कर लेते हैं। इससे स्पष्ट हो जाता है कि शिक्षा संस्थाएं और व्यवस्था उस सर्वकालिक मूल्य-बोध से दूर हो गई हैं, जिसमें उनका घोषित उद्देश्य 'व्यक्ति से व्यक्तित्व' निर्माण होता है। यदि इसे बदलना है, तो शिक्षा व्यवस्था के बाहर के परिदृश्य पर भी निगाह डालनी होगी और उसका विश्लेषण करना होगा।

(जगमोहन सिंह राजपूत)

स्वतंत्रता के बाद देश की आबादी बढ़ी। राज्य सरकारों ने शिक्षा के लिए आवश्यक आबंटन कर पाने में अपनी असमर्थता व्यक्त की। ऐसे में शिक्षा के निजीकरण को बढ़ावा मिला। आजादी के आठ दशक पूरे हो गए हैं। एक पीढ़ी ने इस दौरान हुए परिवर्तन को देखा है और उसमें भागीदारी की है। उपलब्धियों तथा कमियों का विश्लेषण भी किया है। वे आज की 'जेन जी' की भाषा से भले ही अनभिज्ञ हों, मगर अनुभव उनके पास है, जिसको यदि सही ढंग से समझ लिया जाए, तो भावी पीढ़ी के लिए यह उपयोगी ही होगा। ये लोग जब महाविद्यालयों या विश्वविद्यालयों में थे (यानी 1947-67 के दौरान), तब इनका प्रश्नपत्र-लीक, नकल माफिया और कोचिंग संस्थान जैसे शब्दों से कोई परिचय नहीं था।

उन्हें शिक्षकों, परीक्षकों और लोक सेवा आयोग पर पूरा विश्वास था। इससे भी अधिक महत्त्वपूर्ण यह था कि जनप्रतिनिधियों की निष्ठा पर लोगों को भरोसा था। उन्हें मूल्य-आधारित जीवन जीने का अनुभव था। मगर आज ऐसा नहीं है, युवाओं के लिए अनुकरणीय व्यक्तित्व ढूंढ़ पाना कठिन है। आज का हर तरुण और युवा अपने भविष्य को लेकर तनाव में है। परिवार और माता-पिता उनसे भी अधिक चिंतित हैं।

स्वतंत्रता के बाद देश की आबादी बढ़ी। राज्य सरकारों ने शिक्षा के लिए आवश्यक आबंटन कर पाने में अपनी असमर्थता व्यक्त की। ऐसे में शिक्षा के निजीकरण को बढ़ावा मिला। देश में शिक्षा उद्योग बन गई, जिसमें लाभांश सुनिश्चित था। चूंकि साक्षरता बढ़ाना आवश्यक था, इसलिए स्कूलों की संख्या बढ़ी, विद्यार्थी भी बढ़े, लेकिन गुणवत्ता घटती चली गई। इससे भी अधिक चिंताजनक स्थिति यह बनी कि समाज में नैतिकता का ह्रास हुआ और मानवीय मूल्यों का महत्त्व भी कमजोर होता गया। आज युवाओं को प्रश्नपत्र लीक और दोबारा परीक्षाओं का बोझ एवं तनाव झेलना पड़ रहा है। जंतर मंतर और रांची में प्रदर्शन उनके इसी गुस्से का द्योतक है। यह परीक्षा प्रक्रिया में गड़बड़ियों का ही नतीजा है कि कुछ विद्यार्थी तनाव के बीच अपनी जिंदगी से हार मान लेते हैं।

ऐसी स्थितियों को निर्मित करने वाले अपराधी पढ़े-लिखे होते हैं, वे व्यवस्था को जानते हैं और उसे चलाने वालों में से कुछ को चिह्नित कर उन्हें भी अपने साथ शामिल कर लेते हैं। इससे स्पष्ट हो जाता है कि शिक्षा संस्थाएं और व्यवस्था उस सर्वकालिक मूल्य-बोध से दूर हो गई हैं, जिसमें उनका घोषित उद्देश्य 'व्यक्ति से व्यक्तित्व' निर्माण होता है। यदि इसे बदलना है, तो शिक्षा व्यवस्था के बाहर के परिदृश्य पर भी निगाह डालनी होगी और उसका विश्लेषण करना होगा।

बीसवीं सदी ने साम्राज्यवाद का सूरज अस्त होते देखा। वे सभी प्रबुद्ध व्यक्ति और देश जो विश्व शांति और 'अब और युद्ध नहीं' के पक्षधर थे, वे जानते थे कि साम्राज्यवाद मनुष्य की कुछ अंतर्निहित प्रवृत्तियों का परिणाम होता है, जिनमें हर कोई अन्य से अधिक श्रेष्ठ, समृद्ध और अधिकार संपन्न दिखना चाहता है। इसका उदाहरण आज का अमेरिका है, जो वेनेजुएला, कनाडा और ग्रीनलैंड को आत्मसात करना चाहता है। द्वितीय विश्वयुद्ध की समाप्ति के बाद यह चर्चा प्रारंभ हुई कि भविष्य के साम्राज्य ज्ञान के साम्राज्य होंगे। भारत इसे बहुत पहले से समझ चुका था कि 'ज्ञान से पवित्र और कुछ भी नहीं है'। प्राचीन भारत के मनीषी इसे जानते-समझते थे, उनकी ज्ञान-साधना का लक्ष्य सत्य की खोज था।

आधुनिक विज्ञान के क्षेत्र में ज्ञान अर्जन में जो तेजी आई है, उसमें और प्राचीन भारतीय ज्ञान अर्जन परंपरा में एक बहुत बड़ा अंतर है। वैसे यह अब पूरी तरह स्थापित हो चुका है कि ज्ञान के साथ बुद्धि, विवेक और मानवीय संवेदना का समन्वय आवश्यक है। यह भारत का उत्तरदायित्व बनता है कि सहिष्णुता के अपने इतिहास को याद कर वह वैश्विक स्तर पर इस विचार को स्थापित करे, लेकिन भारत इस उत्तरदायित्व का निर्वाह तभी कर सकेगा, जब उसकी अपनी शिक्षा व्यवस्था और उसका प्रबंधन अनुकरणीय स्तर पर आ सके।

मगर आज ऐसा दिखाई नहीं देता है। शिक्षा नीतियां कुछ भी कहें, तथ्य यह है कि गुणवत्ता का मानक आज भी पश्चिमी देशों की व्यवस्था तथा विषय वस्तु तक ही सीमित है। विश्व के जिन देशों के लिए भारत केवल एक बाजार है, वह हमारी शिक्षा व्यवस्था को रास्ता कैसे दिखा सकते हैं? भारत भी पश्चिम के देशों की नकल कर यदि अपनी शिक्षा की विषयवस्तु और व्यवस्था बनाता है, तो वह केवल डिग्री ही दे सकता है, भारतीयता नहीं। शिक्षा में मानव-तत्त्व की उपस्थिति बहुत आवश्यक है, लेकिन वही कमजोर हो रहा है।

कृत्रिम मेधा शिक्षा और उसके प्रबंधन को नए-नए स्तरों पर ले जा रही है। भारत को भी उसमें अग्रणी होना होगा, लेकिन भारतीय तत्त्व उसमें खो न जाए, इसका ध्यान भी रखना होगा। अब यह सिद्ध हो चुका है कि विश्व में मान-सम्मान उसी देश को प्राप्त हो सकेगा, जिसकी शिक्षा व्यवस्था गुणवत्ता, उत्कृष्टता और मानवीय तत्त्व से परिपूर्ण होगी। भारत की शिक्षा नीति में ऐसे तत्त्व उपलब्ध हैं, जो उसे भविष्योन्मुखी बना सकते हैं। मगर इसके लिए हर स्तर पर अकादमिक नेतृत्व की उपस्थिति आवश्यक है। जिन लोगों ने आजादी के बाद के तीन दशकों तक की शिक्षा व्यवस्था देखी है, वे जानते हैं कि उस समय तक शिक्षा संस्थाओं का नेतृत्व नौकरशाहों के हाथ में नहीं था, जैसा कि आज है। देश में आज एक लाख से अधिक स्कूल केवल एक अध्यापक के सहारे चल रहे हैं। पिछले दो वर्षों में सरकारी स्कूलों में नामांकन 86 लाख तक घटा है, जबकि निजी स्कूलों में इसी दौरान नामांकन 88 लाख बढ़ा है।

केवल कागजों में शिक्षक-छात्र अनुपात के महत्त्व को दर्शाना और व्यावहारिकता में उससे आंखें चुरा लेना, हर उस बच्चे के साथ अन्याय है जो इस प्रकार की व्यवस्था में पढ़ने के लिए मजबूर है। ये बच्चे उन परिवारों से आते हैं, जिन्हें शिक्षा की सबसे अधिक आवश्यकता है और वे विकास की धारा में अंतिम छोर पर खड़े हैं। इनके भविष्य निर्माण के लिए चाहिए नेतृत्व क्षमता से परिपूर्ण ऐसे व्यक्तित्व, जिनमें भारत की विविधताओं की समझ हो, उसके प्रति सम्मान की भावना हो। जिनके पास देश के भविष्य को संवारने का आत्मविश्वास और इच्छाशक्ति हो। ऐसे लोगों की उपस्थिति प्राथमिक पाठशाला से लेकर उच्च शिक्षा संस्थानों तक सुनिश्चित करनी होगी। (यह लेखक के अपने विचार है)

इंद्रावती नदी पार ग्राम बोड़गा में प्रधानमंत्री आवास योजना का बड़ा घोटाला

बीजापुर। भैरमगढ़ जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत इतामपार के आश्रित ग्राम बोड़गा के निवासियों ने बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी से मुलाकात कर बताया कि गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लगभग 124 से अधिक मकान स्वीकृत हुए थे। इन मकानों के नाम पर ग्राम पंचायत के सचिव कोमल निषाद ने बैंक से प्रथम किस्त 30,000 रुपये तथा द्वितीय किस्त 55,000 रुपये निकलवाया और हितग्राहियों को मात्र 500-500 रुपये देकर यह कहते हुए घर भेज दिया कि मकान बनाकर देंगे। लेकिन मकान आज तक नहीं बने। इस गंभीर शिकायत को लेकर विधायक विक्रम मंडावी ग्रामीणों के साथ जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे से मिले और वस्तुस्थिति से अवगत कराया। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने भी मामले की गंभीरता को देखते हुए मामले की जांच हेतु विधायक विक्रम मंडावी की अध्यक्षता में 7 सदस्यीय जांच दल गठित किया। प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर यह जांच दल दिनांक 03 सितंबर 2026 को इंद्रावती नदी पार कर ग्राम बोड़गा पहुंचा। दल ने प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों से मुलाकात की और स्वीकृत मकानों की वास्तविक स्थिति का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान हितग्राहियों ने कांग्रेस के जांच दल को बताया कि सचिव कोमल निषाद तथा सरपंच बोटीराम उन्हें बैंक एवं आधार सेवा केंद्र ले गए। वहां प्रत्येक हितग्राही के खाते से पहले 30,000 रुपये और बाद में 55,000 रुपये निकलवाए गए। मकान बनाकर देने का आश्वासन देकर पूरी राशि सचिव और सरपंच ने वापस ले ली। इसके बाद प्रत्येक हितग्राही को केवल 500 रुपये देकर गांव भेज दिया गया। एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी बोड़गा में प्रधानमंत्री आवास योजना के मकान नहीं बने हैं। जांच दल के संयोजक एवं बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने इस पूरे मामले को लेकर कहा कि हर परिवार का सपना होता है कि उसका अपना पक्का मकान हो। लेकिन ग्राम बोड़गा के हितग्राहियों और ग्रामीणों से मुलाकात तथा मौका-मुआयना के बाद यह स्पष्ट हो गया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना में भारी भ्रष्टाचार हुआ है। ग्राम पंचायत इतामपार के सचिव कोमल निषाद ने 124 से अधिक मकानों की पूरी राशि मकान बनाने के नाम पर निकालकर एक वर्ष से अधिक समय तक अपने पास रखा, गरीब आदिवासियों के मकान नहीं बनाए गए और पूरी राशि हड़प ली गई। यह गरीब आदिवासियों के साथ किया गया बड़ा अन्याय और भ्रष्टाचार है। विधायक विक्रम मंडावी ने यह भी कहा कि यह क्षेत्र पहले पूरी नक्सल प्रभावित क्षेत्र था, वर्षों बाद पहली बार कोई शासकीय कार्य हो रहा है और पहली बार शासन प्रशासन की पहुंच इन गांवो तक हो रही है, इसके बाद भी भ्रष्टाचार पर कार्यवाही नहीं होती है तो यह अपने आप में दुर्भाग्यपूर्ण है। विधायक विक्रम मंडावी ने आगे कहा कि इस पूरे मामले में गरीब आदिवासियों को उचित न्याय मिले और पूरी राशि को भ्रष्टाचार करते हुए हड़पने वाले सचिव कोमल निषाद और सरपंच बोटीराम के भ्रष्टाचार की जांच कर कड़ी कार्रवाई हो।

वनमंत्री कश्यप का बड़ा बयान : बस्तर में उद्योग आएंगे, लेकिन प्रकृति को नुकसान नहीं होने देंगे

कोण्डागांव। छत्तीसगढ़ में चल रहे वन महोत्सव के तहत कोंडागांव जिले के केशकाल वन मंडल अंतर्गत बीरापारा में वन महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जहां वन मंत्री केदार कश्यप, केशकाल विधायक नीलकंठ टेकाम, डीएफओ दिव्या गौतम समेत बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधियों और वन विभाग के अधिकारी शामिल हुए। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण और हरियाली का संदेश देते हुए 15 से अधिक प्रजाति के 6 हजार से अधिक पौधों का रोपण किया गया। वहीं, कार्यक्रम के दौरान वन मंत्री केदार कश्यप ने बस्तर में नक्सलवाद खत्म होने के बाद पेड़ों की कटाई और प्राकृतिक संपदा उद्योगपतियों को सौंपे जाने के कथित भ्रम को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग जनता के बीच इस तरह का भ्रम फैला रहे हैं, जिसे बंद किया जाना चाहिए। वन मंत्री ने बस्तर की संस्कृति और प्राकृतिक संपदा को संरक्षित रखने की बात कहते हुए कहा कि बस्तर को किसी भी प्रकार का नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। वन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में पूरे प्रदेशभर में वन महोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना और लोगों को अधिक से अधिक पौधारोपण के लिए प्रेरित करना है। साथ ही, छत्तीसगढ़ में कुछ लोग यह भ्रम फैलाने का काम कर रहे हैं कि बस्तर में नक्सलवाद खत्म होने के बाद यहां के पेड़ों को काटा जाएगा और बस्तर की संपदा उद्योगपतियों को दे दी जाएगी। मैं ऐसे लोगों से कहना चाहता हूं कि जनता के बीच इस तरह का भ्रम फैलाना बंद करें। बस्तर की जनता से भी आग्रह करना चाहता हूं कि वह ऐसे भ्रम में ना आए। यह कृत्य इस तरह के भ्रम फैलाने वाले लोगों की मानसिकता को दर्शाता है।

विधायक टेकाम बोले- वन महोत्सव से पर्यावरण संरक्षण का संदेश, मंत्री कश्यप की सौगातों पर जताया आभार

विधायक नीलकंठ टेकाम ने कहा कि वन महोत्सव के माध्यम से शासन की ओर से प्रदेश में हरियाली बढ़ाने, वन संरक्षण को मजबूत करने और आम लोगों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करने का संदेश दिया जा रहा है। बीरापारा में आयोजित कार्यक्रम भी इसी अभियान की कड़ी रहा, जहां बड़ी संख्या में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया। आज वन मंत्री केदार कश्यप भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए, ग्रामीणों को अनेकों सौगात भी दी। इसके लिए मैं क्षेत्रवासियों की ओर से मंत्री का आभार व्यक्त करता हूँ।

ब्यूटी पार्लर का काम करने पहुंची युवती को फेशियल के पैसे मांगने पर कमरे में बंद करने का आरोप

कोंडागांव। ग्राम नवागांव निवासी 26 वर्षीय युवती ने फेशियल करने के बाद पैसे मांगने पर जातिसूचक गाली-गलौज, मारपीट, जान से मारने की धमकी और जबरन कमरे में बंद करने का आरोप लगाया है। युवती ने आदिवासी समाज से मांगी मदद आजाक थाना में शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है।

शिकायत के अनुसार, युवती 27 अगस्त को फेशियल करने के लिए खुशी संतारा के घर गई थी। फेशियल करने के बाद पैसे मांगने पर एक्सपायरी डेट के प्रोडक्ट लगाने की बात को लेकर विवाद हुआ। युवती का आरोप है कि खुशी संतारा और उसके पति प्रिंस कोटडिया ने जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी।

गलती स्वीकार कर माफीनामा देने की बात कही

युवती ने शिकायत में यह भी बताया कि फेशियल कार्य की कोई राशि उसे नहीं दी गई। बाद में उसे जानकारी मिली कि खुशी संतारा ने थाने में उसके खिलाफ शिकायत की है कि उसने एक्सपायरी डेट का प्रोडक्ट लगाया था। युवती ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए लिखित रूप से माफीनामा देने की बात आवेदन में कही है। वहीं, युवती का आरोप है कि इसके बावजूद उसके साथ जातिसूचक अपमान, गाली-गलौज, मारपीट, जान से मारने की धमकी, जबरन कमरे में बंद करने और मोबाइल से वीडियो बनाकर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने की घटना हुई। शिकायत में युवती ने बताया कि घटना के बाद उसने रोशनी कोटडिया से उसके साथ बनाया गया वीडियो डिलीट करने के लिए कहा था। उसका आरोप है कि बाद में 1 सितंबर को उक्त वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। 2 सितंबर को उसे संबंधित व्यक्ति की ओर से वाट्सऐप के माध्यम से वीडियो भेजा गया। युवती ने आशंका जताई है कि वीडियो का दुरुपयोग कर उसे और उसके परिवार को सामाजिक व आर्थिक नुकसान पहुंचाया जा सकता है। युवती के अनुसार, उसने एक परिचय की भाभी को फोन कर घटना की जानकारी दी, और कहा कि मुझे बहुत डर लग रहा है। मुझे यहां से बचा लीजिए, जिसके बाद उसे कमरे से बाहर निकाला गया। शिकायत में यह भी आरोप है कि घटना के दौरान बनाए गए माफी वाले वीडियो को बाद में सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया।

अबूझमाड़ के गोमे में नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र खोलने की मांग, स्वास्थ्य मंत्री को सौंपा पत्र

भानुप्रतापपुर। अबूझमाड़ के दुर्गम एवं दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की मांग को लेकर सर्व आदिवासी समाज छत्तीसगढ़ युवा प्रभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष ललित नरेटी ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नाम पत्र सौंपा है। 27 अगस्त 2026 को जारी पत्र के माध्यम से उन्होंने नारायणपुर जिले के विकासखंड ओरछा (अबूझमाड़) अंतर्गत ग्राम गोमे में नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र खोलने की मांग की है। पत्र की प्रतिलिपि जिला कलेक्टर नारायणपुर तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को भी भेजी गई है। ललित नरेटी ने अपने पत्र में बताया है कि ग्राम गोमे सहित आसपास के अनेक गांव आज भी स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में काफी पिछड़े हुए हैं। पत्र के अनुसार ग्राम आदनार, गेड़ाबेड़ा, गोमे, काकनार, दरवेकोड, बोगान, गुमचुर, रावेनआदी, तुमेरादी, हूचाकोट, वीरूलेर तथा बिनागुंडा सहित करीब 12 गांवों के ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधा के लिए काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इन गांवों के लिए नजदीक में पर्याप्त स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध नहीं होने के कारण ग्रामीणों को इलाज के लिए दूर जाना पड़ता है। विशेषकर गर्भवती महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों और आकस्मिक रूप से बीमार होने वाले मरीजों के लिए यह समस्या गंभीर बन जाती है। दुर्गम भौगोलिक क्षेत्र होने के कारण कई बार समय पर उपचार नहीं मिल पाने से मरीजों और उनके परिजनों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बरसात के दिनों में आवागमन की स्थिति और कठिन हो जाने से स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल तक पहुंचना ग्रामीणों के लिए बड़ी चुनौती बन जाता है। पत्र में कहा गया है कि ग्राम गोमे में उप स्वास्थ्य केंद्र स्थापित होने से आसपास के लगभग एक दर्जन गांवों के ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। ग्रामीणों को सामान्य बीमारियों के उपचार, स्वास्थ्य जांच, आवश्यक दवाइयों तथा गर्भवती महिलाओं और बच्चों से संबंधित स्वास्थ्य सेवाओं के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। इसके साथ ही शासन द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ भी ग्रामीणों तक बेहतर तरीके से पहुंचाया जा सकेगा। सर्व आदिवासी समाज युवा प्रभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष ललित नरेटी ने शासन से मांग की है कि अबूझमाड़ की भौगोलिक परिस्थितियों और ग्रामीणों की जरूरत को ध्यान में रखते हुए ग्राम गोमे में नवीन उप स्वास्थ्य केंद्र खोलने की पहल जल्द की जाए। उनका कहना है कि स्वास्थ्य जैसी मूलभूत सुविधा ग्रामीणों के लिए बेहद आवश्यक है और गोमे में स्वास्थ्य केंद्र की स्थापना होने से क्षेत्र के कई गांवों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। उन्होंने स्वास्थ्य मंत्री, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और जिला प्रशासन से इस मांग पर सकारात्मक पहल करते हुए आवश्यक कार्रवाई करने का आग्रह किया है।

नेत्रदान पखवाड़े के अवसर पर शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल नानगुर में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन

नानगुर। नेत्रदान पखवाड़े के अवसर पर शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल नानगुर में विद्यार्थियों के बीच निबंध, चित्रकला एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन में नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा आंखों की सुरक्षा एवं उचित देखभाल के प्रति प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नेत्रदान के महत्व की विस्तृत जानकारी दी गई। बताया गया कि मृत्यु के बाद आंखों का दान कर किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन में रोशनी लाई जा सकती है। नेत्रदान एक महान सामाजिक एवं मानवीय कार्य है, जिसके माध्यम से कॉर्नियल अंधत्व से पीड़ित व्यक्ति को दृष्टि प्राप्त करने में सहायता मिल सकती है। इसी कारण नेत्रदान–महादान का संदेश समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना आवश्यक है। विद्यार्थियों को समझाया गया कि नेत्रदान के संबंध में समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करना भी जरूरी है। नेत्रदान के लिए व्यक्ति एवं परिवार को इसके महत्व की जानकारी होना चाहिए तथा मृत्यु के पश्चात समय पर संबंधित नेत्र बैंक/स्वास्थ्य संस्था को सूचना देना महत्वपूर्ण होता है। नेत्रदान के लिए परिवार की सहमति एवं निर्धारित चिकित्सकीय प्रक्रिया का पालन किया जाता है।

आंखों की सुरक्षा एवं देखभाल

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को आंखों को स्वस्थ रखने के लिए कई महत्वपूर्ण सावधानियों की जानकारी दी गई, जैसे– आंखों को गंदे हाथों से बार-बार नहीं रगड़ना चाहिए। धूल, धुआं एवं तेज रोशनी से आंखों की सुरक्षा करनी चाहिए। मोबाइल, टीवी एवं कंप्यूटर का अत्यधिक उपयोग करने से बचना चाहिए तथा स्क्रीन देखते समय बीच-बीच में आंखों को आराम देना चाहिये। इस अवसर पर जिला अंधत्व नोडल अधिकारी डॉक्टर सरिता थॉमस नेत्र सहायक अधिकारी दिव्या पांडे, रयमन बघेल, सुंदरलाल मरकाम, गरिमा मरई, सुपरवाइजर नरेश मरकाम, शिव भंडारी, आरएचओ जयदेव नाग, सीएचओ अलीशा जोयल प्रिंसिपल विनोद भदोरिया एवं बिंदिया नाग तथा शिक्षकगण उपस्थित थे।

आयुष्मान आरोग्य मंदिर, नेतानार का संयुक्त निरीक्षण

बीजापुर। निरीक्षण के दौरान संस्था में संचालित ओपीडी सेवाओं, प्रयोगशाला (लैब) सेवाओं, औषधि भंडारण एवं वितरण व्यवस्था, प्रसव कक्ष, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं तथा विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति एवं व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। संस्था में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं जिसमे ओपीडी में आने वाले मरीजों की लैब में उपलब्ध सुविधाओं एवं जांच संबंधी अभिलेखों का निरीक्षण किया गया तथा औषधियों के रखरखाव एवं वितरण व्यवस्था का भी निरीक्षण किया गया। औषधियों की उपलब्धता, एक्सपायरी डेट एवं स्टॉक रजिस्टर का नियमित संधारण सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया गया। प्रसव कक्ष एवं मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया गया। प्रसव कक्ष की साफ-सफाई, आवश्यक उपकरणों एवं प्रसव संबंधी व्यवस्थाओं का अवलोकन किया गया। संस्थागत प्रसव एवं गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच तथा उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान एवं समय पर रेफरल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त टीकाकरण, परिवार कल्याण, मलेरिया नियंत्रण, क्षय रोग नियंत्रण, कुष्ठ रोग नियंत्रण, गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग, सिकल सेल जांच एवं परामर्श, आयुष्मान कार्ड, वय वंदन कार्ड आदि के संबंध में कर्मचारियों से जानकारी ली गई एवं बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए इस दौरान जिला टीकाकरण अधिकारी सी.मैत्री, डीपीएम रीना लक्ष्मी मेम और एनक्यूएएस नोडल अधिकारी मनीष नायक, महेंद्र पांडे, खंड चिकित्सा अधिकारी आर एस भंवर, श्रीनाथ नाग, सुपरवाइजर नरेश मरकाम, शिव भंडारी, एलएचवी तुलावती नागेश, नेत्र सहायक अधिकारी सुंदरलाल मरकाम, सीएचओ लाजवंती नाइक, एलएचवी लोकनाथ नाग, वनिता नाग, गणेश नाग तथा नेतानार के सरपंच महोदय एवम मितानिन उपस्थित थे।

डीएमएफ मद से बन रहे स्कूल भवन निर्माण में नियमों की अनदेखी का आरोप

चिखलपुटी में सूचना बोर्ड नहीं लगाने और पेटी ठेकेदारी से काम कराने पर उठे सवाल

कोण्डागांव। जिला मुख्यालय से लगे ग्राम पंचायत चिखलपुटी में शासकीय उच्च प्राथमिक शाला परिसर में डीएमएफ (जिला खनिज न्यास) मद से कराए जा रहे अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। आरोप है कि निर्माण कार्य में शासन द्वारा निर्धारित नियमों का पालन नहीं किया जा रहा है और निर्माण स्थल पर आवश्यक जानकारी प्रदर्शित करने वाले सूचना बोर्ड तक नहीं लगाया गया है। शासकीय निर्माण कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए शासन के नियमानुसार निर्माण स्थल पर कार्य का नाम, स्वीकृत राशि, निर्माण एजेंसी, कार्य प्रारंभ एवं पूर्ण होने की संभावित तिथि, ठेकेदार अथवा एजेंसी का नाम सहित अन्य आवश्यक जानकारी का बोर्ड लगाना अनिवार्य होता है, ताकि आम नागरिकों को निर्माण कार्य से संबंधित जानकारी मिल सके। हालांकि चिखलपुटी में हो रहे निर्माण कार्य में इस नियम के पालन को लेकर शिकायत सामने आई है। जानकारी के अनुसार यह निर्माण कार्य डीएमएफ राशि से ग्राम पंचायत के माध्यम से कराया जा रहा है। आरोप है कि निर्माण कार्य किसी पेटी ठेकेदार के माध्यम से कराया जा रहा है। मौके पर कार्य कर रहे व्यक्ति परेश मंडल के अनुसार उसे निर्माण कार्य से संबंधित एजेंसी, स्वीकृति राशि, तकनीकी जानकारी अथवा भवन निर्माण के ड्राइंग-डिजाइन की जानकारी उपलब्ध नहीं है। सामान्य तौर पर शासकीय भवन निर्माण कार्य में तकनीकी स्वीकृति, प्राक्कलन (एस्टीमेट), नक्शा, ड्राइंग एवं निर्माण सामग्री की गुणवत्ता से संबंधित मापदंड निर्धारित होते हैं। निर्माण एजेंसी और जिम्मेदार ठेकेदार को इन्हीं तकनीकी दस्तावेजों के आधार पर कार्य कराना होता है, ताकि भवन की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके। ऐसे में बिना तकनीकी जानकारी रखने वाले व्यक्ति के माध्यम से निर्माण कराए जाने पर गुणवत्ता को लेकर सवाल खड़े हो रहे हैं। वहीं शासन द्वारा ठेकेदार पद्धति में पेटी ठेकेदारी को हतोत्साहित करने और कई विभागों में इसे प्रतिबंधित किए जाने के निर्देश जारी किए जाते रहे हैं। नियमों के अनुसार मूल ठेकेदार या अधिकृत एजेंसी की जिम्मेदारी होती है कि वह स्वीकृत कार्य को निर्धारित मापदंडों के अनुसार पूरा करे। ऐसे में यदि किसी अन्य व्यक्ति के माध्यम से कार्य कराया जा रहा है तो इसकी वैधानिकता और जिम्मेदारी को लेकर जांच की आवश्यकता बताई जा रही है। मामले को लेकर जनपद पंचायत कोण्डागांव के मुख्य कार्यपालन अधिकारी उत्तम महोबिया ने बताया कि निर्माण कार्य स्थल पर सूचना बोर्ड लगाने के निर्देश संबंधित ठेकेदार को दिए गए हैं, लेकिन निर्देश का पालन हुआ है या नहीं, इसकी नियमित मॉनिटरिंग नहीं हो पाई है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य से संबंधित जानकारी की जांच की जाएगी। ग्राम पंचायत स्तर से भी निर्माण कार्य कराया जा रहा है, लेकिन निर्माण से जुड़े तकनीकी दस्तावेज और अन्य जानकारी उपलब्ध नहीं होने की बात सामने आई है।

सेवा संकल्प अभियान' को लेकर भाजपा ने कसी कमर, पवन साय ने कार्यकर्ताओं को अभियान सफल बनाने का किया आह्वान

बीजापुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी द्वारा 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत जिला स्तरीय कार्यशाला अटल सदन कार्यालय बीजापुर में संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में संगठन की आगामी गतिविधियों, अभियान की रूपरेखा और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला में प्रदेश महामंत्री (संगठन) पवन साय ने संगठनात्मक बैठक लेते हुए पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को अभियान के उद्देश्यों से अवगत कराया तथा बूथ स्तर तक संगठन को सक्रिय करते हुए सेवा कार्यों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। साय ने कार्यकर्ताओं से संगठन में आपसी समन्वय और संवाद को मजबूत करते हुए बूथ स्तर तक संगठन को और अधिक सक्रिय एवं सशक्त बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि संगठन की मजबूती कार्यकर्ताओं की सक्रियता और आपसी समन्वय से ही संभव है। कार्यकर्ता सेवा कार्यों एवं पार्टी की गतिविधियों को बूथ स्तर तक पहुंचाकर आमजन से निरंतर संपर्क और संवाद बनाए रखें। इस अवसर पर बस्तर संभाग सह प्रभारी संगठन हरपाल सिंह भामरा, विधायक दंतेवाड़ा चैतराम अटामी, पूर्व मंत्री महेश गागड़ा, प्रदेश उपाध्यक्ष जी. वेंकट, प्रदेश प्रवक्ता टिकेश्वर जैन, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य श्रीनिवास मुदलियार, जिला प्रभारी दीपेश अरोरा, जिला अध्यक्ष घासीराम नाग, जिला पंचायत अध्यक्ष जानकी कोरसा, नगर पालिका अध्यक्ष गीता सोम पुजारी, महामंत्री फूलचंद गागड़ा, संजय लुक्कड़ सहित भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

बिजली विभाग की लापरवाही से युवक की मौत! टूटे LT तार की चपेट में आया, मौके पर तोड़ा दम

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में बिजली विभाग की कथित लापरवाही ने युवक की जान ले ली. पूजा करने के लिए युवक मंदिर जा रहा था. इस दौरान रास्ते में बिजली का एलटी तार टूटकर सीसी रोड पर गिरा हुआ था, जिसकी चपेट युवक आ गई. दर्दनाक घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई. मृतक की पहचान ईश्वर अनंत उर्फ राजू के रूप में हुई. जानकारी के मुताबिक, रतनपुर के आठाबिसा तालाब के पास बिजली का एलटी तार टूटकर सीसी रोड पर गिर गया. जिम्मेदार विभाग ने समय रहते समस्या को ठीक नहीं किया. शुक्रवार रात तालाब के पास से गुजर रहा ईश्वर करंट प्रवाहित तार की चपेट में आ गया. बुरी तरह झुलसने के बाद उसकी मौके पर ही मौत हो गई. स्थानीय लोगों के मुताबिक, भेड़ीमुड़ा क्षेत्र के एक युवक की कुछ दिन पहले इसी स्थान पर बिजली के करंट की चपेट में आने से मौत हुई थी. अब दोबारा इसी क्षेत्र में एक व्यक्ति की जान जाने से स्थानीय लोगों में आक्रोश है. घटना की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची. शव का पंचानामा कराने के बाद उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. मामले में आगे की कार्रवाई जारी है.

मृत मादा भालू के पंजे से काटे चार नाखून, वन विभाग ने दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

गौरेला-पेंड्रा-मरवाही। मरवाही वन परिक्षेत्र के उसाढ़ परिसर स्थित कक्ष क्रमांक 2035 में मृत मादा भालू के पंजे से चार नाखून काटने के मामले में वन विभाग ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है. डॉग स्क्वॉड की मदद से सर्च अभियान चलाकर दोनों संदिग्धों को पकड़ा गया. आरोपियों के कब्जे से भालू के गायब चारों नाखून बरामद कर लिए गए हैं. दरअसल, वन विभाग को 3 सितंबर को जंगल में भालू का शव पड़े होने की सूचना मिली थी. टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू की. जांच के दौरान पता चला कि मृत मादा भालू के पिछले दाएं पंजे के चार नाखून गायब थे. मामला वन्यजीव से जुड़ा होने के कारण विभाग ने तत्काल सर्च अभियान शुरू किया और डॉग स्क्वॉड की मदद ली. जांच और मौके से जुटाए गए साक्ष्यों के आधार पर वन विभाग ने ग्राम बरौर निवासी दो लोगों को हिरासत में लिया. आरोपियों की पहचान सुदर्शन यादव (54), पिता सुखीराम यादव और सूरज साहिस (20), पिता संतोष साहिस के रूप में हुई है. पूछताछ के बाद आरोपियों के कब्जे से मृत भालू के गायब चार नाखून बरामद किए गए. पशु चिकित्सकों की टीम की मौजूदगी में मृत मादा भालू का पोस्टमार्टम कराया गया. भालू की उम्र करीब 8 वर्ष बताई गई है. पोस्टमार्टम में प्राथमिक तौर पर उसकी मौत का कारण फेफड़ों में तीव्र संक्रमण बताया गया है. शुरुआती जांच के मुताबिक भालू की मौत बीमारी के कारण हुई थी, जबकि मौत के बाद उसके पंजे से नाखून काटे गए. वन विभाग ने बरामद नाखूनों को जब्त कर दोनों आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत मामला दर्ज किया है. दोनों को न्यायालय में पेश करने के बाद पेंड्रारोड जेल भेज दिया गया है. वहीं, मरवाही वनमंडलाधिकारी (ष्ठस्नह्र) कुमार निशांत, पशु चिकित्सकों और वनकर्मियों की मौजूदगी में मृत भालू का विधिवत दाह संस्कार किया गया.

भावुक हुए छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा, बोले- अदालतें आम आदमी की उम्मीद और न्याय का पवित्र मंदिर

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा विदाई समारोह में भावुक हो गए. उन्होंने कहा कि अदालतें सिर्फ ईंट-पत्थर की इमारत नहीं हैं. बल्कि आम आदमी की उम्मीद और न्याय का पवित्र मंदिर हैं. पद और इंसान अस्थायी हैं, लेकिन न्यायिक संस्थाएं स्थायी रहें. इसके साथ उन्होंने न्यायिक संस्थाओं की साख और निष्पक्षता बनाए रखने पर जोर दिया सेवानिवृत्त होने के उपरांत शुक्रवार को आयोजित विदाई समारोह में चीफ जस्टिस सिन्हा ने अपने उद्बोधन में अपनी सफलता का श्रेय पत्नी शालिनी सिन्हा को दिया. उन्होंने कहा कि परिवार का प्यार, समझदारी और त्याग मेरी सबसे बड़ी ताकत रही. हर चुनौती का सामना करने का हौसला परिवार से मिला. बता दें कि 29 मार्च 2023 को छत्तीसगढ़ के राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने जस्टिस रमेश सिन्हा को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के नए चीफ जस्टिस के तौर पर पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई थी. करीबन साढ़े तीन साल के कार्यकाल के बाद 4 सितंबर 2026 वे सेवानिवृत्त हुए. इस अवधि में चीफजस्टिस सिन्हा ने 50 हजार 228 मामलों का निपटारा किया. इनमें 369 से ज्यादा नजीर बनने वाले फैसलों का भी रिकॉर्ड रहा.

शिक्षक दिवस पर बलरामपुर की शिक्षिका अमृता निकुंज को मिला राज्यपाल शिक्षक सम्मान

लोकभवन में आयोजित गरिमामय समारोह में राज्यपाल ने किया सम्मानित, शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और उत्कृष्ट कार्यों की सराहना

बलरामपुर। शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में बलरामपुर जिले की शिक्षिका एवं प्राथमिक शाला बाजारपारा में पदस्थ प्रधान पाठक श्रीमती अमृता निकुंज को शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार एवं उत्कृष्ट कार्य के लिए माननीय राज्यपाल, छत्तीसगढ़ द्वारा राज्य शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। इसी समारोह में श्री संजय श्रीवास्तव को भी राज्यपाल शिक्षक सम्मान प्रदान किया गया। लोकभवन में आयोजित इस गरिमामय समारोह में शिक्षकों के उत्कृष्ट योगदान को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्रीमती अमृता निकुंज को उनके दीर्घ शिक्षकीय अनुभव, बच्चों के प्रति समर्पण तथा शिक्षा को रोचक और प्रभावी बनाने के लिए किए गए नवाचारों के लिए सम्मानित किया गया। श्रीमती अमृता निकुंज ने लगभग 18 वर्ष पूर्व राजपुर क्षेत्र की दूरस्थ एवं पहाड़ी कोरवा बहुल बस्ती से अपने शिक्षकीय कार्य की शुरुआत की थी। उन्होंने विषम परिस्थितियों के बावजूद बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए निरंतर अपने दायित्वों का निर्वहन किया। ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्र के बच्चों को बेहतर शिक्षा से जोड़ने के साथ-साथ उन्होंने अभिभावकों से लगातार संपर्क स्थापित कर बच्चों की पढ़ाई के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास किया। उन्होंने पारंपरिक शिक्षण पद्धति के साथ विभिन्न शैक्षणिक नवाचारों को अपनाकर पढ़ाई को बच्चों के लिए अधिक सरल, रोचक और प्रभावी बनाने का प्रयास किया। उनके कार्यों का सकारात्मक प्रभाव विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता और विद्यालय के शैक्षणिक वातावरण में देखने को मिला। शिक्षा के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए इससे पूर्व वर्ष 2023 में उन्हें मुख्यमंत्री शिक्षा दूत सम्मान से भी सम्मानित किया जा चुका है। अब राज्यपाल शिक्षक सम्मान प्राप्त होने से बलरामपुर जिले के शिक्षा जगत में हर्ष का माहौल है। श्रीमती अमृता निकुंज का यह सम्मान न केवल उनके व्यक्तिगत समर्पण और उपलब्धि का सम्मान है, बल्कि दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में पूरी निष्ठा से कार्य कर रहे शिक्षकों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। उनके सम्मान से जिले के शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं अभिभावकों में खुशी है।

सरगुजा में आयोजित अस्मिता वूमेंस लीग सॉफ्ट टेनिस 2026

■ अंबिकापुर में चमकी महिला शक्ति, सफलता पूर्वक संपन्न हुआ अस्मिता वूमेंस लीग सॉफ्ट टेनिस 2026

अंबिकापुर। खेलो इंडिया एवं भारतीय खेल प्राधिकरण (ञ्ज्ड्ड) के तत्वावधान में अस्मिता वूमेंस लीग सॉफ्ट टेनिस 2026 का भव्य आयोजन 06 सितंबर 2026 को गांधी स्टेडियम स्थित लॉन टेनिस ग्राउंड, अंबिकापुर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में महापौर मंजूषा भगत, भाजपा महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शुभांगी बिहाड़े, एमआईसी सदस्य नगर निगम प्रियंका गुप्ता, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष, अखिल भारतीय अग्रवाल महिला सम्मेलन रंजू अग्रवाल, डायरेक्टर, के.आर. टेक्निकल कॉलेज डॉ. रीनू जैन, जिला महामंत्री प्रियंका चौबे तथा अखिल भारतीय अग्रवाल महिला सम्मेलन की प्रदेश सचिव सुनीता अग्रवाल, जिला महामंत्री अंजू अग्रवाल एवं जिला कोषाध्यक्ष सेनू गोयल उपस्थित रहीं। वहीं प्रतियोगिता में पर्यवेक्षक के रूप में रवि शंकर धनगर एवं दिलीप कुमार विश्वकर्मा उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के जूनियर वर्ग में आराध्या कश्यप ने प्रथम, गरिमा सिंह ने द्वितीय, दीपशिखा एक्का ने तृतीय तथा अंशिका ने चतुर्थ वहीं जूनियर वर्ग में ग्रिशू राजवाड़े प्रथम, शालिनी मुंडा द्वितीय, मुस्कान तृतीय तथा चंचल ने चतुर्थ स्थान तथा सीनियर वर्ग में श्रेया उपाध्याय ने प्रथम, आर्या ने द्वितीय, नीलम ने तृतीय तथा खुशबू ने चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। राष्ट्रीय कोच राजेश प्रताप सिंह ने बताया कि सरगुजा जिले में दूसरी बार सॉफ्ट टेनिस खेल की महिला लीग का आयोजन किया गया है।

बढ़ती महंगाई और चीनी के बढ़ते दामों को लेकर कांग्रेस ने एक दिवसी धरना प्रदर्शन...

बलरामपुर में बढ़ती महंगाई और चीनी के बढ़ते दामों को लेकर जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व में राजीव गांधी प्रतिमा स्थल पर एक दिवसीय चीनी सत्याग्रह किया गया कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया है कि चीनी के दाम में लगातार बढ़ोतरी से आम आदमी की रसोई का बजट बिगड़ गया है, त्योहारों के दौरान उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से सब्सिडी वाली चीनी उपलब्ध कराने बात की बलरामपुर राजीव गांधी प्रतिमा स्थल राजीव गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण और श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई धरने पर बैठकर बढ़ती महंगाई के खिलाफ आवाज बुलंद की। कांग्रेस का कहना है कि पिछले कुछ महीनो में चीनी के दाम में करीब 15 से 20 रुपए प्रति किलो तक की बढ़ोतरी हुई है और बाजार में चीनी 50 से 55 रुपए किलो तक पहुंच गई है कांग्रेस नेताओं के मुताबिक कांग्रेस अध्यक्ष हरिहर प्रसाद यादव ने केंद्र और राज्य सरकार पर महंगाई को लेकर निशाना साधते हुए कहा की रसोई लगातार महंगी होती जा रही है परिवारों के साथ छोटे दुकानदारों चाय दुकानों और मिठाई कारोबारी पर असर पड़ रहा है । कांग्रेस का आंदोलन गांव और ब्लॉक स्तर तक ले जाया जाएगा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष समीर सिंह देव ने कहा कि गांधी के सत्य और अहिंसा के रास्ते पर चलते हुए महंगाई के खिलाफ यह सत्याग्रह किया गया है राजपुर ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष नीरज तिवारी ने कहा कि महंगी चीनी का असर छोटे व्यापारियों पर भी पड़ रहा है चाय और मिठाई दुकानदारों की लागत बढ़ने से उनका कारोबार प्रभावित हो रहा है।

14वें मंत्री की नियुक्ति पर फिर हाईकोर्ट में सुनवाई, सरकार से चार हफ्ते में जवाब.....

■ 90 सदस्यीय विधानसभा में 15 प्रतिशत की संवैधानिक सीमा का मामला; जनहित याचिका में नियुक्ति की वैधता को दी गई चुनौती

बिलासपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मंत्रिमंडल में 14वें मंत्री की नियुक्ति की संवैधानिक वैधता को लेकर हाईकोर्ट में एक बार फिर सुनवाई शुरू हो गई है। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने इस मामले में दायर जनहित याचिका पर राज्य शासन को चार सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। यह मामला 90 सदस्यीय छत्तीसगढ़ विधानसभा में मंत्रिपरिषद की अधिकतम संख्या को लेकर संविधान में निर्धारित 15 प्रतिशत की सीमा की व्याख्या से जुड़ा है। कांग्रेस और सामाजिक कार्यकर्ता बसदेव चक्रवर्ती की ओर से दायर याचिका में 14वें मंत्री की नियुक्ति की संवैधानिक वैधता पर न्यायिक समीक्षा की मांग की गई है। याचिकाकर्ता का कहना है कि संविधान के अनुच्छेद 164(1क) के अनुसार किसी राज्य में मंत्रिपरिषद की कुल संख्या विधानसभा की कुल सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती। इसी संवैधानिक प्रावधान को आधार बनाते हुए 14वें मंत्री की नियुक्ति को चुनौती दी गई है। याचिकाकर्ता की ओर से अदालत के समक्ष यह सवाल उठाया गया है कि 90 सदस्यीय विधानसभा के आधार पर 15 प्रतिशत की संवैधानिक सीमा में मंत्रियों की अधिकतम संख्या कितनी हो सकती है और इस गणना में दशमलव के बाद आने वाले 0.5 की व्याख्या किस तरह की जानी चाहिए। छत्तीसगढ़ विधानसभा में कुल 90 सदस्य हैं। संविधान में मंत्रिपरिषद की संख्या विधानसभा की कुल सदस्य संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होने का प्रावधान है। 90 का 15 प्रतिशत निकालने पर आंकड़ा 13.5 आता है। इसी गणित को लेकर अब संवैधानिक व्याख्या का सवाल हाईकोर्ट के सामने है। याचिकाकर्ता का तर्क है कि 14वें मंत्री की नियुक्ति इसी सीमा के संदर्भ में न्यायिक समीक्षा के दायरे में आती है। बताया गया है कि इससे पहले यह मामला सुप्रीम कोर्ट में लंबित था। बाद में वहां मामला निरर्थक हो जाने के बाद अब हाईकोर्ट में इसकी सुनवाई फिर शुरू हुई है। डिवीजन बेंच ने राज्य शासन को अपना पक्ष रखने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। अब राज्य सरकार के जवाब के बाद यह स्पष्ट होगा कि 14वें मंत्री की नियुक्ति को लेकर सरकार संवैधानिक प्रावधान और 15 प्रतिशत की सीमा की किस तरह व्याख्या करती है। इसके बाद याचिका पर आगे की सुनवाई होगी। मामला केवल मंत्रिमंडल में एक अतिरिक्त मंत्री की नियुक्ति तक सीमित नहीं है, बल्कि संविधान के अनुच्छेद 164(1क) में निर्धारित 15 प्रतिशत की सीमा की व्याख्या से भी जुड़ा है। ऐसे में राज्य सरकार के जवाब और हाईकोर्ट के आगामी आदेश पर राजनीतिक और संवैधानिक दोनों नजरें टिकी रहेंगी।

काजू बाड़ी में मवेशी तस्करी का भंडाफोड़, पांच आरोपी गिरफ्तार

■ दो पिकअप में ठूंसकर ले जाए जा रहे थे 8 मवेशी, एक की मौके पर और एक की इलाज के दौरान मौत

लखनपुर। लखनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम चैनपुर काजू बाड़ी के पास पुलिस ने मवेशी तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो पिकअप वाहनों में क्रूरतापूर्वक भरकर ले जाए जा रहे 8 मवेशियों को बरामद किया है। मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेजा है। इस पूरी कार्रवाई के दौरान एक मवेशी मृत अवस्था में मिला, जबकि गंभीर रूप से घायल एक अन्य मवेशी की उपचार के दौरान थाने परिसर में मौत हो गई। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि शनिवार की रात चैनपुर काजू बाड़ी के पास दो पिकअप वाहनों में मवेशियों को अवैध रूप से बूचड़खाने ले जाने के लिए परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर घेराबंदी कर पिकअप क्रमांक ष्ट25 ञ्ज 0155 और ष्ट 25 छ्व 4974 को पकड़ा। दोनों वाहनों की जांच करने पर कुल आठ मवेशी मिले, जिन्हें क्रूरतापूर्वक वाहनों में लोड किया गया था। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम सूरज सारथी पिता रामेश्वर सारथी 32 वर्ष निवासी चैनपुर थाना लखनपुर, नितिक राणा पिता रामकिशोर 25 वर्ष बरेली उत्तरप्रदेश, जमीन उर्फ जमीर अंसारी पिता फखरुद्दीन 42 निवासी अंबिकापुर, मोहम्मद अयूब पिता मो इदरीश 45 वर्ष और मोहम्मद जुनैद पिता मो अयुब 18 वर्ष निवासी जिला बदायूं उत्तरप्रदेश बताया गया। सभी आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम की धाराओं 4, 6, 10 तथा पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत अपराध पंजीबद्ध करते हुए आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड में भेजा गया है।दो मवेशियों की मौत के बाद शव का पोस्टमार्टम करा कर पुलिस ने शवो का विधिवत कफन दफन किया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अवैध मवेशी परिवहन और तस्करी करने वालों में हड़कंप मचा है। मामले की विवेचना जारी है और पुलिस यह भी जांच कर रही है कि मवेशियों को कहां से लाया गया था और उन्हें कहां ले जाया जा रहा था। दो मवेशियों की मौत के बाद पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा कर विधिवत कफन दफन किया गया।

झीरम घाटी फैसले को कांग्रेस ने आधा अधूरा न्याय बतलाते हुए इसके लिये इस घटना की जांच करने वाली एनआईए को इसका जिम्मेदार बतलाया.......

अंबिकापुर/झीरम घाटी हमले के 13 वर्ष बाद आये ह्लढ्ढ कोर्ट के फैसले को कांग्रेस ने आधा अधूरा न्याय बतलाते हुए इसके लिये इस घटना की जांच करने वाली ह्लढ्ढ को इसका जिम्मेदार बतलाया है। न्यायालय के फैसले के बाद प्रदेश के अन्य जिला मुख्यालयों के साथ ही साथ सरगुजा जिला कांग्रेस कमेटी ने भी राजीव भवन में इस विषय पर पत्रकार वार्ता की। वार्ता को सम्बोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्री बालकृष्ण पाठक ने कहा कि एन आई ए शुरुआत से ही इस मामले में जानबूझकर दिशाहीन जांच कर रही थी। उन्होंने कहा कि ह्लढ्ढ ने अपनी जांच को छोटे नक्सलियों तक सीमित रखा, इस मामले में संलिप्त बड़े नक्सली नेताओं की गिरफ्तारी और समर्पण के बावजूद उनके विरुद्ध न तो चार्जशीट दाखिल की गई न ही उनसे पूछताछ कर इस हमले के पीछे के राजनीतिक षड्यंत्र को उजागर करने का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी एस सिंहदेव जो परिवर्तन यात्रा के संयोजक थे ने कई ऐसे साक्ष्य ह्लढ्ढ को दिये जो इस घटना में षड़यंत्र की ओर इशारा करते हैं। घटना में आहत लोगों और रिपोर्ट कर्ता तक का बयान ठ्ठढ्ढ ने नहीं लिया। पार्टी हाईकमान को पूर्व उपमुख्यमंत्री श्री टी एस सिंहदेव ने बतलाया था कि जिस रूट से परिवर्तन यात्रा गुजर रही थी उस रूट पर सुरक्षा व्यवस्था नहीं थी। राज्य सरकार ने इस चूक पर पर्दा डालने के उद्देश्य से यह अफवाह फैलाया की जिला प्रशासन की जानकारी के बगैर अंतिम समय में यात्रा का रूट बदला गया। ऐसा प्रतीत होता है कि ह्लढ्ढ की जांच का मुख्य लक्ष्य असली षड्यंत्र और षडयंत्रकारियो को छुपाना था। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष श्री जे पी श्रीवास्तव ने कहा कि यह सवाल उठाया जाता है कि कांग्रेस के शासन काल मे इस घटना की जांच क्यों नहीं हुई। सच्चाई यह है कि कांग्रेस ने शासन के दौरान एस आई टी का गठन किया था, लेकिन तब ह्लढ्ढ ने इस जांच में रोड़े अटकाते हुए इस आई टी के जांच पर न्यायालय से स्टे हासिल किया था। आज सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद की इस आई टी मामले की जांच कर सकती है, विष्णु देव सरकार ढाई साल से चुप्पी साधे हुए है। प्रेसवार्ता में निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने कहा कि कांग्रेस न्यायालय के निर्णय का सम्मान करती है। न्यायालय ने वही निर्णय लिया जैसा ह्लढ्ढ ने विवेचना की। हमारा सवाल भाजपा सरकार और ह्लढ्ढ से है कि उन्होंने किस उद्देश्य से इस मामले के तह तक जांच नहीं कि, जिससे कि इस हमले में शामिल प्रमुख नक्सली और कोई अदृश्य षड्यंत्र कर्ता बच निकले। उन्होंने कहा कि हमले में शामिल प्रमुख नक्सली कमांडर जैसे गणपति और रमन्ना जिनका नाम स्नढ्ढक्र में था का नाम चार्जशीट से हटाना ह्लढ्ढ पर सवाल खड़े करता है उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मामले में न्याय के लिए सुप्रीम कोर्ट तक का दरवाजा खटखटाएगी। अंत मे प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस के महामंत्री श्री द्वितेंद्र मिश्रा ने कहा कि13 वर्ष के बाद आये यह फैसला इस दृष्टि से निराशाजनक है क्योंकि जांच करने वाली ह्लढ्ढ ने अपनी विवेचना में दोषियों के सामने कम लाया छुपाया अधिक। भाजपा के राज में इस घटना को लेकर जो लीपापोती की गई है वो कहीं न कहीं यह इशारा करती है कि इस मामले के तार तत्कालीन भाजपा सरकार से जुड़े हुए थे। इस दौरान 20 सूत्रीय कार्यक्रम के पूर्व उपाध्यक्ष अजय अग्रवाल, पूर्व कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश गुप्ता, हेमंत सिन्हा, मो इस्लाम, इंद्रजीत सिंह धंजल, नुरुल अमीन सिद्दकी, लोकेश कुमार, जमील खान, नरेंद्र विश्वकर्मा, दिनेश शर्मा, आशीष जायसवाल, अविनाश कुमार, विकास शर्मा आदि उपस्थित रहे।

हरे-भरे पेड़-पौधे वास्तु के अनुसार शुभ

घर में पौधे रखने से जगह हरी-भरी लगती है और मन भी हल्का रहता है। लेकिन वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, हर पौधा शुभ नहीं माना जाता है। कुछ पौधे ऊर्जा रोकने वाले बताए जाते हैं। अगर घर में शांति और तरक्की चाहते हैं, तो पौधों से जुड़ी इन 5 स्थितियों पर ध्यान दें। आइए जानते हैं इनके बारे में विस्तार से।

मुरझाए और सूखे पौधे घर में ना रखें

कई लोग सूखे पौधे इस उम्मीद में रख देते हैं कि फिर से हरे हो जाएंगे। वास्तु के अनुसार, मरा या मुरझाया पौधा रुकी ऊर्जा का संकेत माना जाता है। ऐसे पौधे रखने से घर का माहौल भारी लग सकता है और काम में रुकावट पैदा हो सकती है। पौधों की सूखी पत्तियां काटते रहें और पानी-रोशनी का ध्यान रखें। अगर मुरझा रहे पौधे की बचने की उम्मीद खत्म हो जाए, तो उसे हटाकर नया स्वस्थ पौधा लगाना बेहतर माना जाता है।

दूध जैसा रस निकालने वाले पौधे

मिल्कवीड और यूफोरबिया जैसे पौधों से सफेद रस निकलता है। वास्तु में इन्हें घर के लिए अशुभ कहा जाता है। माना जाता है कि घर में ऐसे पौधे लगाने से मन बेचैन रहता है और माहौल अस्थिर लगता है। यह रस त्वचा और आंखों के लिए हानिकारक भी होता है। इसी वजह से इन्हें कमरे के अंदर रखना ठीक नहीं माना जाता है। चाहें, तो ऐसे पौधे बाहर खुली जगह पर रखें, घर के अंदर नहीं।

दीवार पर चढ़ने वाली बेलें

बेलें देखने में सुंदर लगती हैं, लेकिन सीधे दीवार पर फैलने वास्तु में रुकावट का संकेत माना जाता है। कहा जाता है कि जीवन में ठहराव और उलझन बढ़ सकती है। पौधों की बेलें दीवार पर नमी बढ़ाती हैं, रंग खराब करती हैं और इससे कीड़े भी आ सकते हैं। बेल वाले पौधे पसंद हो, तो अलग जाली या स्टैंड पर उगाएं। दीवार से सटाकर ना छोड़ें। इससे घर साफ भी रहता है और मान्यता के अनुसार ऊर्जा का रास्ता भी नहीं रुकता है।

रेशम, कपास और प्लास्टिक के नकली पौधे

कृत्रिम पौधे सजाने में आसान होते हैं, क्योंकि इनकी देखभाल काफी आसान होती है। लेकिन वास्तु शास्त्र इन्हें जीवन का झूठा रूप मानता है। ये हवा साफ नहीं करते और कमरे में जान नहीं लाते है। असली हरियाली चाहिए तो स्नेक प्लांट या पीस लिली जैसा आसान पौधा रखें।

काई और शैवाल लगे गमले-फव्वारे

पानी वाले पौधे या छोटे फव्वारे साफ ना हों, तो काई जम जाती है। वास्तु में काई को सड़न और ठहराव का प्रतीक माना जाता है। चिपचिपा गंदा गमला घर की तरक्की रोकने वाला माना जाता है। पानी जमा रहने से बदबू और कीड़े भी आते हैं। गमले के नीचे तश्तरी में पानी ना छोड़ें और फव्वारे की सफाई करते रहें। पत्ते और मिट्टी सूखी-साफ दिखनी चाहिए। मान्यता है कि साफ पौधा रखने से घर हल्का लगता है और शुभ ऊर्जा भी बनी रहती है।

वास्तु का रखें विशेष ध्यान

पौधे आपके घर की शोभा तभी बढ़ाएंगे, जब ये वास्तु के अनुसार लगाए गए हों। मुरझाया, दूध वाला, दीवार पर चढ़ा, नकली या काई लगा पौधा हटा दें। सही देखभाल से हरियाली के साथ घर में खुशहाली का भाव भी बना रहेगा। डिस्क्लेमर: इस आलेख में दी गई जानकारियों के पूर्णतया सत्य एवं सटीक होने का हम दावा नहीं करते हैं। विस्तृत और अधिक जानकारी के लिए संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

घर के मुख्य द्वार पर किस भगवान की फोटो लगाएं?

वास्तु शास्त्र में घर के मुख्य द्वार से जुड़े कई ऐसे नियम हैं जो सुख-शांति लेकर आते हैं। मुख्य द्वार ऐसी जगह है जहां से घर में हर तरह की एनर्जी आ सकती है। अगर नियम के हिसाब से मुख्य द्वार पर सही चीजें रखी जाए तो घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है और किसी की भी बुरी नजर नहीं लगती है। हालांकि इस बात को लेकर अक्सर लोग कन्फ्यूज होते हैं कि मुख्य द्वार पर किस भगवान की फोटो लगाई जाए और इससे जुड़े नियम क्या हैं?

मुख्य द्वार पर लगाएं ये फोटो

वास्तु के अनुसार घर के मुख्य द्वार पर भगवान गणेश की फोटो या फिर मूर्ति को लगाना सबसे शुभ माना जाता है। भगवान गणेश को विघ्नहर्ता के नाम से भी जाना जाता है। विघ्नहर्ता का मतलब होता है कि जो हमारी सभी कष्ट को हर ले और उन्हें हमसे दूर कर दें। घर में सुख-समृद्धि लाने के लिए मुख्य द्वार पर गणेश की ऐसी फोटो को लगाना चाहिए जिसमें वो बैठे हुए हो। मान्यता है कि इससे घर में सुख-शांति आती है। बस इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखें कि गणेश जी की मूर्ति इस तरह से रखी हो कि घर की ओर उनकी पीठ ना हो। वास्तु और ज्योतिषीय मान्यता के अनुसार गणेश जी की पीठ में दरिद्रता का वास होता है तो ऐसे में इस गलती से बचना चाहिए।

मुख्य द्वार पर लगा सकते हैं ये 2 तस्वीरें

वास्तु नियम के अनुसार अगर आप मनी प्लो को बढ़ाना चाहते हैं तो मुख्य द्वार पर मां लक्ष्मी और भगवान कुबेर की फोटो को लगा सकते हैं। इसके अलावा आप चाहे तो मां लक्ष्मी के पद चिह्न को भी यहां लगा सकते हैं। इसे मुख्य द्वार पर लगाना बहुत ही शुभ माना जाता है। बस इस बात का विशेष ख्याल रखें कि मां लक्ष्मी की फोटो ऐसी हो जिसमें वो बैठी हुई मुद्रा में नजर आएं। वास्तु में खड़ी लक्ष्मी जी की फोटो को मुख्य द्वार पर लगाना सही नहीं माना जाता है। मान्यता है कि इससे घर में पैसा नहीं टिकता है। मुख्य द्वार के दोनों ओर आप शुभ लाभ और स्वास्तिक का निशान भी बना सकते हैं। माना जाता है कि इससे घर में नेगेटिव एनर्जी नहीं आती है।

ध्यान में रखें ये जरूरी बातें

❶ वास्तु शास्त्र नियम के अनुसार मुख्यद्वार पर कभी भी भगवान शिव के रौद्र रूप, शनिदेव या फिर मां काली की तस्वीरों को लगाने से बचना चाहिए।

❷ जो भी तस्वीर आपने मुख्य द्वार पर लगाई है कोशिश करें कि उसके आसपास किसी भी तरह की गंदगी ना जमा हो पाए।

❸ इस बात का ध्यान आपको विशेष रूप से करना चाहिए कि मुख्य द्वार पर किसी भी तरह का अंधेरा ना हो। जहां भी आपने भगवान की फोटो लगाई है वहां पर एक छोटा बल्ब जरूर होना चाहिए।

मॉनसून फीवर के बाद कमज़ोरी दूर करने के टिप्स

हर साल मानसून के मौसम में डेंगू, चिकनगुनिया, टाइफाइड और वायरल बुखार के मामलों में बढ़ोतरी देखने को मिलती है। अच्छी बात यह है कि ज्यादातर मरीज बुखार से जल्द ठीक हो जाते हैं लेकिन कमजोर लंबे समय तक बनी रहती है। ऐसे में लोगों को समझ नहीं आता कि इस कमजोरी से कैसे छुटकारा पाया जाए। बुखार के बाद शरीर थका हुआ लगता है। ऐसे में 5 असरदार टिप्स के बारे में बताया है जिससे आपको रिकवरी में मदद मिल सकती है।

ऐसा क्यों होता है?

PIF को अब सिर्फ थकान के रूप में नहीं देखा जाता, बल्कि इसे संक्रमण फैलाने वाले जर्म्स और शरीर के बीच इम्यून रिस्पॉंस के रूप में देखा जा रहा है। हर इंसान का शरीर एक ही बीमारी पर अलग तरह से प्रतिक्रिया करता है। कई बार जेनेटिक कारणों की वजह से भी ऐसा हो सकता है। आपके माता-पिता या खानदान से आपको कैसे जीन (DNA) मिले हैं। अगर आपके परिवार में किसी खास बीमारी की प्रवृत्ति रही है, तो आपका शरीर भी उसके प्रति अधिक संवेदनशील या कमजोर हो सकता है। बीमार होने के बाद बुखार उतरते ही शरीर पूरी तरह ठीक नहीं हो जाता। भले ही आपकी ब्लड रिपोर्ट नॉर्मल आ गई हो, फिर भी कमजोरी, मांसपेशियों में दर्द और थकावट महसूस होना बिल्कुल स्वाभाविक है। इसके पीछे दो मुख्य कारण हैं।

प्रतिरक्षा प्रणाली का "आफ्टरशॉक": बुखार भले ही कम हो जाए, लेकिन आपकी इम्यून सिस्टम तुरंत बंद नहीं होती। वह संक्रमण के बचे-खुचे असर को खत्म करने और अंदरूनी नुकसान की भरपाई में लगी रहती है। कभी-कभी यह ओवर-एक्टिव प्रतिरक्षा प्रणाली आपके शरीर के अपने टिशू पर भी थोड़ा असर डालती है, जिससे मांसपेशियां और तंत्रिका तंत्र रिकवर होने में समय लेते हैं।

एनर्जी की कमी: बीमारी और बुखार के दौरान भूख कम हो जाती है, जिससे शरीर का न्यूट्रिशन और एनर्जी स्टोरेज खाली हो जाता है। इस खाली पड़े एनर्जी स्टोरेज को फिर से भरने में समय लगता है।

इसके लिए क्या करना चाहिए?

1. पर्याप्त पानी पिएं और अच्छा खाना खाएं। प्रोटीन, फल और सब्जियां किसी भी सप्लीमेंट की तुलना में रिकवरी में बेहतर मदद करती हैं।
2. रिकवरी में समय लगने की उम्मीद रखें। कई लोगों में यह 2 से 4 सप्ताह तक रह सकता है, और कभी कभी इससे अधिक समय भी लग सकता है, खासकर बुजुर्गों या पहले से अन्य स्वास्थ्य समस्याओं वाले लोगों में।

सुबह की ये आदतें बदल देंगी आपकी जिंदगी

सुबह का समय इंसान की जिंदगी का सबसे महत्वपूर्ण समय माना जाता है. आध्यात्मिक गुरु सद्गुरु के अनुसार अगर आप अपनी सुबह सही तरीके से शुरू करते हैं, तो पूरा दिन ऊर्जा, खुशी और फोकस के साथ बीतता है. लेकिन अगर सुबह की शुरुआत जल्दबाजी, मोबाइल या अलार्म के तनाव से होती है, तो दिन भर सुस्ती, आलस और चिड़चिड़ापन महसूस होता है.भारतीय परंपरा में सुबह उठने के कुछ खास तरीके बताए गए हैं, जो सिर्फ आध्यात्मिक ही नहीं बल्कि वैज्ञानिक रूप से भी शरीर और दिमाग को एक्टिव बनाने में मदद करते हैं.सद्गुरु बताते हैं कि सुबह उठते ही शरीर को धीरे-धीरे जगाना चाहिए, क्योंकि नींद से जागने तक शरीर कई शारीरिक बदलावों से गुजरता है. अगर हम सही मॉर्निंग रूटीन अपनाते हैं, तो आलस खत्म हो सकता है और जीवन में पॉजिटिविटी बढ़ सकती है. सुबह की ये 4 आदतें बदल देंगी आपकी जिंदगी - सद्गुरु के मोटिवेशनल टिप्स

1. दाईं करवट लेकर उठें

सुबह अचानक उठकर खड़े नहीं होना चाहिए। पहले दाईं करवट लें और फिर धीरे-धीरे उठें। दिल और शरीर पर अचानक दबाव नहीं पड़ता और शरीर आराम से एक्टिव होता है।

2. हथेलियों को रगड़ें

उठते ही दोनों हथेलियों को 15 से 20 सेकंड तक रगड़ें। हमारी हथेलियों में बहुत सारे नर्व एंडिंग्स होते हैं, जो रगड़ने से एक्टिव हो जाते हैं और शरीर में ऊर्जा का संचार होता है।

3. हथेलियों को आंखों पर रखें

हथेलियां रगड़ने के बाद उन्हें हल्के से आंखों पर रखें। इससे आंखों, दिमाग और नर्वस सिस्टम को धीरे-धीरे जागने का संकेत मिलता है और शरीर रिलैक्स महसूस करता है।

4. उठते ही मुस्कुराएं और धन्यवाद दें

सुबह उठते ही यह सोचें कि आप जिंदा हैं, यह सबसे बड़ा उपहार है। भगवान या प्रकृति को धन्यवाद दें और मुस्कुराकर दिन की शुरुआत करें। इससे मन पॉजिटिव रहता है और आलस दूर होता है।

अगर आप हर सुबह ये 4 छोटे काम करते हैं, तो धीरे-धीरे आलस खत्म होगा, मन शांत रहेगा और जीवन में ऊर्जा और खुशी बढ़ेगी। सुबह की सही शुरुआत ही सफल और खुशहाल जीवन की शुरुआत होती है।

आज का राशिफल

मेष राशि - कल का दिन आपके लिए थोड़ा संभलकर चलने का है। दैनिक कामकाज थोड़े अव्यवस्थित रह सकते हैं। नौकरी और व्यापार में कुछ रुकावटें आ सकती हैं, जिससे आपका मन थोड़ा परेशान हो सकता है। दिनभर अलग-अलग उलझनों का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए धैर्य बनाए रखें।

वृषभ राशि - कल आपको रोजी-रोजगार के क्षेत्र में बढ़िया सफलता मिलेगी। किसी खास या प्रभावशाली व्यक्ति के सहयोग से आपका कोई बहुत महत्वपूर्ण काम बन जाएगा। पैसों के मामले में भी दिन अच्छा है, धन लाभ होने के पूरे योग बन रहे हैं।

मिथुन राशि - कल मिथुन राशि वालों की परिस्थितियों में काफी सुधार देखने को मिलेगा। अगर किसी को पैसे उधार दिए थे या रुका हुआ बकाया था, तो वह रकम वापस मिल सकती है। कपड़े, जेवर या धन-दौलत की प्राप्ति हो सकती है, जिससे आपका मन खुश रहेगा।

कर्क राशि - कल कर्क राशि वालों को अपने कार्यक्षेत्र में कोई बड़ा और नाम कमाने वाला काम करने का मौका मिलेगा। आपकी कोई बड़ी इच्छा या महत्वाकांक्षा पूरी हो सकती है। जो लोग नौकरी में बदलाव की सोच रहे हैं, उनके लिए नया अवसर मिलने के योग बन रहे हैं।

सिंह राशि - कल सिंह राशि वालों का काफी समय से अटका हुआ कोई काम पूरा हो जाएगा, जिससे घर में खुशी का माहौल रहेगा। आपको कोई बहुत अच्छा समाचार मिल सकता है। बस एक बात का ध्यान रखें—गाड़ी या वाहन चलाते समय पूरी सावधानी बरतें, दुर्घटना की आशंका है।

कन्या राशि - कल नौकरीपेशा लोगों के लिए तरक्की के रास्ते खुलेंगे। कोई बड़ा और जरूरी काम सफलतापूर्वक पूरा हो जाएगा। आर्थिक लाभ मिलने से पैसों की स्थिति अच्छी रहेगी और घर-परिवार में सुख-शांति का माहौल बना रहेगा।

तुला राशि- कल आपके घर में कोई मांगलिक या पूजा-पाठ का कार्यक्रम संपन्न हो सकता है। दोस्तों और रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा। जो लोग नई नौकरी की तलाश में हैं या जॉब चेंज करना चाहते हैं, उनके लिए अच्छी संभावना बन रही है।

वृश्चिक राशि - कल बच्चों या संतान पक्ष की तरफ से कोई बहुत सुखद खबर मिल सकती है। बिजनेस और कारोबार की स्थिति में बड़ा सुधार आएगा। उम्मीद के मुताबिक संतोषजनक धन लाभ होगा, जिससे आपकी आर्थिक चिंता दूर होगी।

धनु राशि- कल धनु राशि वाले जिस भी काम को करने का मन बनाएंगे, उसमें सफलता मिलेगी। कोई बहुत जरूरी और अच्छी खबर आपको मिल सकती है। आपके विरोधी या दुश्मन पस्त रहेंगे और आपका मन दिनभर प्रसन्न और शांत रहेगा।

मकर राशि - कल मकर राशि वालों की आर्थिक स्थिति में बढ़िया सुधार देखने को मिलेगा। बीमारी, कर्ज़ और शत्रुओं की वजह से आ रही परेशानियां खत्म होंगी। घर-गृहस्थी में खुशहाली रहेगी और अपनों के साथ अच्छा समय बीतेगा।

कुंभ राशि- कल सेहत को लेकर थोड़ा सतर्क रहें, स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव आ सकता है। दिमागी तनाव और अपनों की किसी बात से मन को थोड़ा दुख पहुंच सकता है। हालांकि, आपकी मेहनत और प्रयास से जरूरी काम अंत में पूरे हो जाएंगे।

मीन राशि- कल आपकी सेहत अच्छी रहेगी और पुरानी बीमारियों से राहत मिलेगी। फंसा हुआ या रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। घर के बड़ों या किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से आपके करियर और कारोबार में अच्छी तरक्की होगी।

केले को फ्रेश रखने के टिप्स

केले ऐसा फल हैं जो घर में अक्सर रखा रहता है. लेकिन कई बार केले खरीदने के एक-दो दिन बाद ही इनके छिलके पर भूरे या काले धब्बे आने लगते हैं। धीरे-धीरे केला ज्यादा पक जाता है और कुछ लोगों को उसका स्वाद भी पसंद नहीं आता। ऐसे में अगर आप केले को थोड़ा ज्यादा समय तक ठीक रखना चाहती हैं, तो इन्हें रखने के तरीके में छोटा-सा बदलाव कर सकती हैं।

केले के डंठल पर लगाएं एल्युमिनियम फॉयल

केले को थोड़ा ज्यादा समय तक ठीक रखने के लिए डंठल पर एल्युमिनियम फॉयल लगाने का तरीका आजमा सकती हैं। इसके लिए एल्युमिनियम फॉयल का एक छोटा टुकड़ा लें और केले के पूरे गुच्छे के ऊपर वाले डंठल को अच्छी तरह ढक दें। फॉयल को डंठल के आसपास ठीक से लपेटें, लेकिन केले को पूरी तरह फॉयल में लपेटने की जरूरत नहीं है।

केले जल्दी क्यों पकने लगते हैं

केला ऐसा फल है जो तोड़ने के बाद भी पकता रहता है। इसे क्लाइमेक्टेरिक फल कहा जाता है। यानी पेड़ से तोड़े जाने के बाद भी इसके अंदर पकने की प्रक्रिया चलती रहती है। इसी वजह से हरे केले धीरे-धीरे पीले और फिर भूरे होने लगते हैं।केले के पकने में एथिलीन गैस की अहम भूमिका होती है। यह गैस खास तौर पर केले के डंठल वाले हिस्से से निकलती है। जैसे-जैसे यह गैस आसपास फैलती है, केले के पकने की प्रक्रिया तेज हो सकती है।

दूसरे फलों से रखें दूर

अगर आप चाहती हैं कि केले जल्दी न पकें, तो उन्हें सेब, नाशपाती, एवोकाडो या दूसरे पकने वाले फलों के साथ एक ही टोकरी में रखने से बचें। इनमें से कई फल भी एथिलीन गैस छोड़ते हैं, जिससे आसपास रखे केले जल्दी पक सकते हैं। इसलिए केले के लिए अलग जगह बनाना बेहतर रहता है। इन्हें किसी सूखी और हवादार जगह पर रखें, जहां सीधी धूप न आती हो।

चीनी छोड़ गुड़ से बनाएं नारियल के लड्डू

बनाने के लिए सामग्री

2 कप सूखा या ताजा कद्दूकस किया हुआ नारियल, 1 कप गुड़, 2-3 बड़े चम्मच दूध, 1 छोटा चम्मच घी, 1/2 छोटा चम्मच इलायची पाउडर, 2 बड़े चम्मच बारीक कटे काजू और बादाम, 1 बड़ा चम्मच किशमिश, 1-2 बड़े चम्मच दूध पाउडर, जरूरत के हिसाब से

ऐसे तैयार करें नारियल लड्डू: सबसे पहले एक कड़ाही गैस पर रखें और उसमें एक छोटा चम्मच घी डालें। अब इसमें कद्दूकस किया हुआ नारियल डालकर धीमी आंच पर हल्का भूनें। नारियल को बहुत ज्यादा भूरा करने की जरूरत नहीं है। बस इतना भूनें कि उसकी कच्ची खुशबू निकल जाए और हल्की खुशबू आने लगे। अगर आप ताजा नारियल इस्तेमाल कर रही हैं, तो उसमें नमी ज्यादा होगी, इसलिए उसे थोड़ा ज्यादा समय देकर भून सकती हैं। अब इसमें कटे हुए काजू, बादाम और किशमिश डालकर एक-दो मिनट तक चलाएं। इसके बाद गैस धीमी कर दें। अब दूसरी कड़ाही में गुड़ डालें और उसमें 2-3 बड़े चम्मच पानी डालें। गुड़ को धीमी आंच पर पिघलने दें। इसे बहुत ज्यादा पकाने की जरूरत नही है। जब गुड़ पूरी तरह पिघल जाए, तो उसे छान लें। इससे अगर गुड़ में कोई छोटे कण या गंदगी होगी तो वह अलग हो जाएगी। अब साफ किया हुआ गुड़ वापस कड़ाही में डालें। गुड़ को बहुत ज्यादा गाढ़ा करने की जरूरत नहीं है। ज्यादा पकाने पर लड्डू बाद में बहुत सख्त हो सकते हैं।

अब पिघले हुए गुड़ को भुने हुए नारियल वाले मिश्रण में डालें। इसे लगातार चलाते रहें ताकि गुड़ और नारियल अच्छी तरह मिल जाएं। इसके बाद इलायची पाउडर डालें। अगर मिश्रण बहुत ज्यादा गीला लग रहा है, तो थोड़ा दूध पाउडर डाल सकती हैं। इससे मिश्रण को बांधने में मदद मिलेगी। मिश्रण को धीमी आंच पर कुछ मिनट तक चलाते रहें। जब यह कड़ाही छोड़ने लगे और थोड़ा गाढ़ा हो जाए, तो गैस बंद कर दें। मिश्रण को एक प्लेट में निकालकर थोड़ा ठंडा होने दें। जब यह इतना गर्म न रहे कि हाथ जलें, तब हाथों पर हल्का घी लगाएं। अब थोड़ा-थोड़ा मिश्रण हाथ में लेकर गोल आकार दें। इसी तरह सारे लड्डू तैयार कर लें। अगर चाहें तो तैयार लड्डुओं को सूखे नारियल में हल्का रोल कर सकती हैं। इससे लड्डू दिखने में भी सुंदर लगेंगे।

विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए नैतिक शिक्षा जरूरी

संस्कृती संवर्धन प्रतिष्ठान की ओर से ठाणे स्थित श्रीराम व्यायामशाला सभागृह में शिक्षकों के लिए 'नैतिक शिक्षा' विषय पर हाल ही में एक विशेष कार्यशाला आयोजित की गई। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए मूल्य शिक्षा की आवश्यकता पर बल देने वाली इस कार्यशाला में 105 शिक्षकों ने सहभागिता की।कार्यशाला की प्रमुख अतिथि के रूप में संस्कृती संवर्धन प्रतिष्ठान की सह-संयोजिका श्रीमती शीतल निकम ने मार्गदर्शन किया। उन्होंने कहा कि आज की बदलती सामाजिक परिस्थितियों में विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनमें सत्य, ईमानदारी, अनुशासन, कर्तव्य भावना, संवेदनशीलता, संस्कार और सामाजिक प्रतिबद्धता जैसे नैतिक मूल्यों का विकास करना अत्यंत आवश्यक है। दैनिक जीवन के विभिन्न उदाहरण देते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि शिक्षक की भूमिका केवल ज्ञान प्रदान करने वाले व्यक्ति की नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व को आकार देने वाले मार्गदर्शक की भी है।इस अवसर पर उपस्थित गुरुजनों का शाल, पुष्पगुच्छ एवं उपहार देकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम के समापन पर उपस्थित 105 शिक्षकों ने नैतिक शिक्षा के कार्य में तन, मन और धनपूर्वक सहभागी होने की सामूहिक प्रतिज्ञा की।विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए संस्कारक्षम शिक्षा के अभियान को और व्यापक बनाने का संकल्प इस कार्यशाला में लिया गया।

गणेश चतुर्थी को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। ग्राम थनौद में कलाकार गणपति बप्पा की प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे हुए हैं। कलाकार अपनी कला और मेहनत से भगवान गणेश की आकर्षक प्रतिमाओं को आकार दे रहे हैं। फोटो / नाहीद शेख

हर दुकान-दुकान पहुंचेगी कचरा गाड़ी, महापौर एवं सभापति ने दिखाई हरी झंडी 11 नई हॉपर टिप्पर डंपर कचरा कलेक्शन गाड़ियां दुकानों के लिए रवाना

2.17 करोड़ की लागत से मिले वाहनों में चार अलग-अलग कम्पार्टमेंट, गीला-सूखा सहित अलग होगा कचरा

दुर्ग। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा शहर की स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने तथा स्वच्छता रैंकिंग में शहर को शीर्ष स्थान पर पहुंचाने के उद्देश्य से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में नगर निगम को प्राप्त 11 नई हॉपर टिप्पर डंपर कचरा कलेक्शन गाड़ियों को महापौर अलका बाघमार एवं सभापति श्याम शर्मा ने हरी झंडी दिखाकर दुकानों से कचरा संग्रहण के लिए रवाना किया। नई कचरा कलेक्शन गाड़ियां हॉपर टिप्पर डंपर शहर के प्रमुख बाजार एवं व्यापारिक क्षेत्रों में दुकान-दुकान पहुंचकर कचरा संग्रहण करेंगी। इनमें इंदिरा मार्केट, पंचशील नगर, सिकोलाभाठा, गंजपारा, पांच कंडील, चंडी मंदिर क्षेत्र, स्टेशन रोड, ग्रीन चौक, स्टेशन चौक सहित अन्य प्रमुख बाजार क्षेत्र शामिल हैं। इससे दुकानदारों को अपनी दुकान के सामने ही कचरा संग्रहण की सुविधा मिलेगी और बाजार क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर एवं स्वास्थ्य प्रभारी नीलेश अग्रवाल ने स्वयं हॉपर टिप्पर डंपर वाहन चलाकर इसके संचालन का शुभारंभ किया।

2.17 करोड़ रुपये की लागत से 11 आधुनिक वाहन

शहर में कचरा संग्रहण एवं स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम द्वारा लगभग 2.17 करोड़ रुपये की लागत से 11 हूपर टिप्पर स्वीपर वाहनों की व्यवस्था की गई है। प्रत्येक वाहन की क्षमता 3.3 घन मीटर होगी तथा वाहन लगभग 1550 किलोग्राम कचरा वहन करने में सक्षम होगा। वाहनों में हाइड्रोलिक सिस्टम एवं टिपिंग सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। वाहनों का आरटीओ पंजीयन एवं बीमा भी व्यवस्था में शामिल है।

चार कम्पार्टमेंट में होगा कचरे का पृथक्करण

इन आधुनिक वाहनों में चार अलग-अलग कम्पार्टमेंट बनाए गए हैं, जिनमें गीला कचरा, सूखा कचरा, सैनिटरी वेस्ट तथा हानिकारक कचरे को अलग-अलग संग्रहित किया जा सकेगा। इससे स्रोत पर कचरे के पृथक्करण के साथ-साथ उसके वैज्ञानिक तरीके से प्रबंधन में भी सुविधा होगी। वाहनों के साथ तीन वर्ष तक वाहन मेंटेनेंस की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। निगम की इस नई व्यवस्था से शहर की डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के साथ ही बाजार एवं व्यवसायिक क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, लोक कर्म प्रभारी देव नारायण चन्द्राकर, एमआईसी सदस्य नरेंद्र बंजारे, ज्ञानेश्वर ताम्रकर, नीलेश अग्रवाल, शेखर, शिव नायक, लीलाधर पाल, पार्षद विद्यावती सिंह, ललिता ठाकुर, साजन जोसेफ, मनोज सोनी, लोकेश्वरी ठाकुर, एल्डरमेन नरेश तेजवानी, अनूप सोनी, मदन बढ़ाई, अरुण सिंह, संभव जैन, तुलसा यादव, कार्यपालन अभियंता विनीता वर्मा, स्वास्थ्य अधिकारी दुर्गेश गुप्ता, शोएब अहमद, सूरज सारथी सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

कीटनाशक विक्रय में अनियमितता पाए जाने पर उमंग कृषि केन्द्र की अनुज्ञप्ति 15 दिवस के लिए निलंबित

बेमेतरा। कृषि विभाग द्वारा कीटनाशक विक्रय एवं भण्डारण में अनियमितताओं के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए मेसर्स उमंग कृषि केन्द्र, संबलपुर, विकासखण्ड नवागढ़ की कीटनाशी विक्रय/ भण्डारण अनुज्ञप्ति को 15 दिवस की अवधि के लिए निलंबित किया गया है। उप संचालक कृषि एवं कीटनाशी अनुज्ञापन अधिकारी, जिला-बेमेतरा द्वारा जारी आदेश के अनुसार 05 जुलाई 2022 को जारी की गई थी, जो 04 सितंबर से 18 सितंबर तक तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। कीटनाशी निरीक्षक द्वारा 17 अगस्त 2026 को प्रतिष्ठान का निरीक्षण किए जाने पर कई अनियमितताएं पाई गई थीं। निरीक्षण के दौरान कीटनाशक अनुज्ञप्ति को प्रतिष्ठान के दृश्य स्थल पर चस्पा नहीं किया गया था। साथ ही, स्त्रोत प्रमाण में उल्लेखित कंपनी के अतिरिक्त अन्य निर्माता कंपनियों के उत्पाद भी प्रतिष्ठान में पाए गए। निरीक्षण में प्रतिष्ठान में कीटनाशकों के भण्डारण एवं दर सूची का प्रदर्शन नहीं किया जाना तथा अवसान तिथि समाप्त हो चुके कीटनाशकों को अन्य स्टॉक से पृथक नहीं किया जाना भी पाया गया। इसके अलावा निर्धारित प्रारूप में कैश/क्रेडिट मेमो संधारित नहीं किया जाना, माह समाप्ति के 15 दिवस के भीतर पाक्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं करना तथा स्कंध पंजी का संधारण नहीं किया जाना भी सामने आया। इन अनियमितताओं के संबंध में संबंधित लाइसेंसधारी को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। प्रस्तुत स्पष्टीकरण का परीक्षण किए जाने पर उसे संतोषजनक नहीं पाया गया। उपलब्ध अभिलेखों, निरीक्षण प्रतिवेदन एवं प्रकरण में पाए गए तथ्यों के आधार पर संबंधित द्वारा कीटनाशी अधिनियम एवं कीटनाशी नियमों तथा अनुज्ञप्ति में निर्धारित शर्तों का उल्लंघन किया जाना पाया गया।

निलंबन अवधि में विक्रय, भण्डारण एवं वितरण पर रोक- निलंबन अवधि के दौरान संबंधित प्रतिष्ठान द्वारा किसी भी प्रकार के कीटनाशक का विक्रय, भण्डारण अथवा वितरण नहीं किया जा सकेगा। प्रतिष्ठान में उपलब्ध कीटनाशकों के स्टॉक का नियमानुसार सत्यापन एवं अभिलेखीकरण किया जाएगा।

साथ ही, संबंधित व्यक्ति/फर्म को निलंबित अनुज्ञप्ति के आधार पर किसी भी प्रकार की कीटनाशी संबंधी व्यावसायिक गतिविधि करने की अनुमति नहीं होगी।

बढ़ती महंगाई के खिलाफ जिला कांग्रेस का चीनी सत्याग्रह

बेमेतरा। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा द्वारा नगर बेमेतरा स्थित राम मंदिर प्रांगण, गांधी मैदान में बढ़ती महंगाई एवं आमजन की परेशानियों के विरोध में एक दिवसीय 'चीनी सत्याग्रह' आयोजित किया गया। कांग्रेसजनों ने आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों और आम परिवारों पर पड़ रहे आर्थिक बोझ के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए सरकार से तत्काल राहत देने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने महंगाई के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और कहा कि रोजमर्रा की जरूरतों की कीमतों में बढ़ोतरी से गरीब, किसान, मजदूर, मध्यमवर्गीय परिवार और छोटे व्यापारी सभी प्रभावित हो रहे हैं। बढ़ते घरेलू खर्च ने आम जनता का बजट बिगाड़ दिया है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी बेमेतरा के अध्यक्ष आशीष छाबड़ा ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों के कारण आम जनता महंगाई की मार झेलने को मजबूर है। सरकार बड़े-बड़े दावे करती है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि आम आदमी की रसोई का बजट लगातार बिगड़ रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को आवश्यक वस्तुओं की कीमतों पर नियंत्रण के लिए ठोस कदम उठाते हुए जनता को तत्काल राहत देनी चाहिए। आशीष छाबड़ा ने कहा कि 'चीनी सत्याग्रह' केवल सांकेतिक विरोध नहीं, बल्कि आम जनता की पीड़ा और आक्रोश की आवाज है।

रासेयो स्वयंसेवकों ने दी स्वच्छता की तालीम, आंगनबाड़ी केन्द्रों व शाला में पहुंचे स्वयंसेवक

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह अंतर्गत जागरूकता कार्यक्रम

डोंगरगांव नगर। नगर के शासकीय डॉ बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर स्नातकोत्तर महाविद्यालय के रासेयो के स्वयंसेवको द्वारा 3 सितंबर को राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के अंतर्गत स्थानीय आंगनबाड़ी केन्दों व स्कूलो में पहुंचकर बच्चों को स्वच्छता की तालीम दी। बच्चों के पोषण आहार पर चर्चा करते हुए सदैव विटामिन युक्त भोजन करने के सुझाव दिए। प्राचार्य डॉ एके धमगाये के निर्देशन तथा रासेयो कार्यक्रम अधिकारी प्रियांकी गजभिए एवं डॉ आशाराम साहू के मार्गदर्शन में महाविद्यालय के स्वयंसेवको द्वारा स्थानीय स्तर पर संचालित आंगनबाड़ी केंद्रों, शासकीय उच्च माध्यमिक शाला डोंगरगांव में शिक्षकों से मिलकर सफाई, स्वच्छता, पोषण आहार के संबंध में चर्चा की गई। इस दौरान स्कूल के बच्चों को स्वच्छता के संबंध में जागरूक करते हुए बताया कि हमेशा साबुन से हाथ साफ करके ही भोजन ग्रहण करें। स्कूल में साफ सफाई का ध्यान रखने, किचन सेड में भी हमेशा स्वच्छता का ध्यान रखने, दुकान से पैकेट बंद मिलने वाले खाद्य पदार्थों से भी बचने की अपील करते हुए सदैव विटामिन युक्त भोजन करने की सलाह दी। कार्यक्रम में रासेयो बालक एवं बालिका इकाई के विद्यार्थीगण शामिल थे।

जय-बीरू की जोड़ी में डीएन योगी को मिली जिला प्रेस क्लब सचिव की कमान

कवर्धा। जिला प्रेस क्लब कवर्धा के अध्यक्ष प्रकाश वर्मा ने अपनी टीम का विस्तार करते हुए पत्रकार डीएन योगी को संगठन के सचिव पद की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। डीएन योगी के सचिव बनने के साथ ही जिला प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी में अनुभव और सक्रियता का समावेश हुआ है। वरिष्ठ पत्रकार डीएन योगी लंबे समय से पत्रकारिता के क्षेत्र में सक्रिय हैं। जिले की पत्रकारिता में उनका व्यापक अनुभव और मजबूत पकड़ मानी जाती है। इसी अनुभव को देखते हुए अध्यक्ष प्रकाश वर्मा ने उन्हें सचिव जैसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। प्रकाश वर्मा और डीएन योगी की जोड़ी को पत्रकारिता जगत में 'जय-बीरू की जोड़ी' के रूप में देखा जा रहा है। दोनों के बीच बेहतर तालमेल और आपसी समन्वय को जिला प्रेस क्लब के लिए मजबूत आधार माना जा रहा है। सचिव पद के जिम्मेदारी मिलने पर डीएन योगी ने अध्यक्ष प्रकाश वर्मा का आभार व्यक्त करते हुए पत्रकारों के हित में सक्रियता से कार्य करने और संगठन को मजबूत बनाने की बात कही। उनकी नियुक्ति पर जिला प्रेस क्लब से जुड़े पत्रकारों एवं शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उज्ज्वल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी हैं। माना जा रहा है कि डीएन योगी के अनुभव का लाभ संगठन को मिलेगा और पत्रकार हितों से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने में जिला प्रेस क्लब को नई मजबूती मिलेगी।

दोहों-कविताओं से रसायन को बनाया आसान, अब राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित होंगे शिक्षक नेमसिंह साहू

सुकमा के नक्सल प्रभावित क्षेत्र से बालोद तक 18 वर्षों की शिक्षकीय यात्रा

- 40 से अधिक विद्यार्थियों को स्काउट-गाइड में राज्यपाल पुरस्कार दिलाने में निभाई अहम भूमिका

बालोद। शिक्षा केवल किताबों और पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज और देश का भविष्य गढ़ने का माध्यम है। इसी सोच को अपने 18 वर्षों के शिक्षकीय जीवन में साकार करने वाले बालोद जिला मुख्यालय स्थित स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम स्कूल के रसायन शास्त्र शिक्षक नेमसिंह साहू को उनके उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्य और सामाजिक गतिविधियों में उल्लेखनीय योगदान के लिए राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया जा रहा है। रसायन शास्त्र को विद्यार्थी अक्सर कठिन विषय मानते हैं, लेकिन शिक्षक नेमसिंह साहू ने अपनी अनूठी शिक्षण शैली से इस कठिन विषय को भी विद्यार्थियों के लिए रोचक और सरल बना दिया है। वे रसायन शास्त्र की जटिल अवधारणाओं और सूत्रों को कविता, दोहे और रोचक उदाहरणों के माध्यम से समझाते हैं। इससे विद्यार्थियों को विषय समझने में आसानी होती है और कक्षा का माहौल भी रोचक बना रहता है।

सुकमा से शुरू हुआ सफर, बालोद में जारी है शिक्षा की अलख- नेमसिंह साहू की पहली पदस्थापना बस्तर के सुकमा जैसे नक्सल प्रभावित क्षेत्र में हुई थी। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा से जोड़ने और उनके बेहतर भविष्य के लिए काम किया। इसके बाद बालोद जिले में पदस्थ होकर भी उन्होंने शिक्षा के साथ विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास पर विशेष जोर दिया।

40 से अधिक विद्यार्थियों को मिला राज्यपाल पुरस्कार- शिक्षक साहू की उपलब्धियां केवल कक्षा तक सीमित नहीं हैं। उन्होंने स्काउट-गाइड के माध्यम से विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देकर उन्हें विभिन्न स्तरों पर आगे बढ़ाया। उनके मार्गदर्शन में तैयार हुए 40 से अधिक विद्यार्थी अब तक राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि में उनके मार्गदर्शन और प्रशिक्षण की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

पढ़ाई के साथ सामाजिक जिम्मेदारी का भी पाठ- नेमसिंह साहू विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ समाज और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदार बनाने का प्रयास करते हैं। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थी पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति अभियान और तिरंगा यात्रा सहित विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाते हैं। उनका मानना है कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक हासिल करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को संवेदनशील, जिम्मेदार और बेहतर नागरिक बनाना है।

विद्यार्थियों के लिए शिक्षक से बढ़कर प्रेरणास्रोत- राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित छात्र आदर्श यादव और छात्रा लक्ष्मी साहू भी शिक्षक नेमसिंह साहू की पढ़ाने की शैली से प्रभावित हैं। विद्यार्थियों का कहना है कि रसायन शास्त्र जैसे कठिन विषय को जिस तरह वे कविता और दोहों के माध्यम से समझाते हैं, उससे विषय आसानी से समझ में आ जाता है। स्काउट-गाइड में उनके मार्गदर्शन में सफलता हासिल करने वाले विद्यार्थी भी अपने शिक्षक को अपनी उपलब्धियों का प्रेरणास्रोत मानते हैं।

शिक्षक का सम्मान, शिक्षा के प्रति समर्पण का सम्मान- नेमसिंह साहू की 18 वर्षों की शिक्षकीय यात्रा बताती है कि एक समर्पित शिक्षक किस तरह विद्यार्थियों के जीवन को दिशा दे सकता है। सुकमा की चुनौतीपूर्ण पदस्थापना से लेकर बालोद तक, उन्होंने शिक्षा के साथ सामाजिक सरोकारों को भी अपनी कार्यशैली का हिस्सा बनाया। कठिन विषय को सरल बनाने की कला, विद्यार्थियों को स्काउट-गाइड में आगे बढ़ाना और सामाजिक गतिविधियों से जोड़ना उनकी पहचान बन चुकी है। यही समर्पण अब उन्हें राज्यपाल पुरस्कार के सम्मान तक लेकर पहुंचा है।

संपत्तिकर भुगतान नहीं करने पर अधिभार व शास्ति का प्रावधान

भिलाई। छत्तीसगढ़ नगरपालिका निगम अधिनियम, 1956 के प्रावधानों के तहत नगर पालिक निगम क्षेत्र में भवन एवं भूमि पर संपत्तिकर अधिरोपित किया जाता है। अधिनियम की धारा 132(1) की उपधारा (क) में संपत्तिकर अधिरोपित किए जाने का प्रावधान है। वहीं धारा 135 के तहत संपत्तिकर की दर तथा धारा 138 के तहत भवन अथवा भूमि के क्षेत्रफल एवं उसकी अवस्थिति के आधार पर वार्षिक भाड़ा मूल्य की गणना के लिए प्रति वर्गमीटर मूल्य निर्धारित किए जाने का प्रावधान है। निगम द्वारा बताया गया है कि प्रत्येक संपत्तिधारक को नियमानुसार अपनी संपत्ति से संबंधित स्व-निर्धारण विवरणी प्रस्तुत करना आवश्यक है। चालू वित्तीय वर्ष में स्व-निर्धारण विवरणी पत्रक प्रस्तुत नहीं किए जाने की स्थिति में संबंधित व्यक्ति पर एक हजार रुपये की शास्ति अधिरोपित किए जाने का प्रावधान है। इसी प्रकार, छत्तीसगढ़ नगरपालिका (भवन/भूमि के कर योग्य संपत्ति मूल्य का निर्धारण) नियम, 2021 के अंतर्गत निर्धारित तिथि तक निगम द्वारा निर्धारित कर राशि का भुगतान नहीं करने पर वित्तीय वर्ष की समाप्ति के पश्चात नियमानुसार अधिभार (सरचार्ज) लगाए जाने का प्रावधान है। निगम प्रशासन के अनुसार, उक्त नियमों के तहत संपत्तिकर की वसूली करते समय देय संपत्तिकर के साथ समेकित कर, शिक्षा उपकर एवं अन्य देय करों को भी शामिल किया जाता है। निर्धारित समय-सीमा के बाद भुगतान किए जाने पर नियमानुसार अधिभार की राशि की गणना कर संबंधित संपत्तिधारक से वसूल की जाती है। निगम ने संपत्तिधारकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय-सीमा के भीतर संपत्तिकर एवं अन्य देय करों का भुगतान करें तथा स्व-निर्धारण विवरणी समय पर प्रस्तुत करें।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। डाक पंजीयन क्रमांक- सीजी/दुर्ग/लोकतंत्र प्रहरी/2026-28, Email : loktantraprahrinews@gmail.com